GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0038**

Classification:

Original File No. 53

Title

G.E.L. Church General Assembly

Volume:

Running **from year: 1925** **till year: 1928**

Content:

- Meetings Agenda, List of Delegates and report.

५३

१९२५ दिसम्बर (याने १९२६)

की

महासभा

1928

1926

1925

(१८) सराहे सरकार बात जो दिल से मंजूर है।

(१९) ~~प्रेसिडेन्ट साहब के साथ [illegible] का आभार।।~~

(१९) धन्यवाद प्रस्ताव:

(२०) प्रेसि. साहब का [illegible] आभार

[illegible] साहब — इंदौर वाले [illegible] में
श्री: [illegible] साहब का [illegible] का विशेष
आभार।।

[illegible] साहब इंदौर वाले [illegible] में
पास करवाया हुकमचंद का [illegible] विशेष
आभार।।

(६) प्रेसिडेन्ट साहब की रिपोर्ट

(७) सेक्रेटरी की रिपोर्ट

(८) विभागों की रिपोर्ट

~~(९) मिनिस्टीरियम सदस्यों~~

(९) पदाधिकारियों की रिपोर्टें। ~~[illegible]~~ का गुरुद्वारा और

(१०) मिनिस्टीरियम की रिपोर्ट। उसका गुरुद्वारा और हिसाब।

(११) इस्टेबलिशमेंट बोर्ड का काम और वर्क कमिटी के ... सारे विभागों में काम के रेट के नक्शों को देखो और मंजूरी।

(१२) मेडिकल विभाग पर विचार करके संकल्प।

(क) आयुर्वेदिक ~~के~~ विभाग [illegible] से लखनऊ भेजने का इन्तजाम।

(ख) [illegible] ~~[illegible]~~ होतो! — डाक्टर [illegible] (स्पेशलिस्ट)

(ग) मलेरिया [illegible] — डा. [illegible] (प्रेसिडेन्ट)

(घ) [illegible] — सेक्रेटरी — २० मिनिट

(ङ) पुस्तकालय ~~[illegible]~~ [illegible] — सेक्रेटरी

(च) नये शिक्षुओं का हाल — सेक्रेटरी

(छ) [illegible] काम — सेक्रेटरी

(ज) आमदनी के उपाय [illegible]

(१३) शिक्षा विभाग पर विचार और संकल्प —

(क) प्राइमरी स्कूलों का [illegible] — हेडमास्टर [illegible]

~~(ख) [illegible] स्कूलों में [illegible]~~

(१४) सम्पत्ति विभाग पर विचार और संकल्प।

(क) मेडिकल [illegible] — [illegible]

[illegible] होते।

(ख) [illegible] — [illegible]

(१५) आयव्यय का विभाग पर विचार और संकल्प।

(ख) बजट — [illegible]

(१६) वर्ष भर के [illegible] का चुनाव

(१७) सेक्रेटरी का पदत्याग और प्रस्ताव से पूर्ति का इन्तजाम

महासभा का कार्यक्रम

१९४८

मार्च २२-२८

मार्च २२ – वर्किंग कौंसिल की बैठक

मार्च २३ – (१) मिनिस्टीरियल कमेटी की बैठक ८-११ बजे

(२) मिनिस्टीरियल कमेटी और कौंसिल की बैठक २-५ बजे

मार्च २४ (१) कौंसिल और मिनिस्टीरियल कमेटी का असमाप्त काम ८-११ बजे

(२) महासभा के साथ प्रार्थना समाज क्रिस्तजियों में ६ १/२ बजे

चलानेवाला – मा: पादरी दाऊद [illegible]

~~मार्च २६~~ विषय – (क) महिलाओं का कामों में आना और उनके लिये ईश्वर की बुलाहट

(ख) पापस्वीकार

(ग) बालिकाओं का आत्मिक देना

(घ) महिलाओं का सेवा देना

मार्च २५ – (१) बिहान का आराधना ६ बजे

चलानेवाले – आराधना – मा: पादरी [illegible]

उपदेश – मा: पादरी मा. [illegible]

प्रभुभोज ११ बजे – मा: पादरी [illegible]

सहायक – मा: पादरी [illegible]

मार्च २६-२८ महासभा की ~~बैठक~~ साधारण बैठक में

विषय ८-११ बजे

दूसरी बैठक २-५ बजे

(१) आराधना – चलानेवाला – मा: पादरी [illegible] – २६

[illegible] – २७

[illegible] – २८

(२) प्रतिनिधियों की हाजिरी

(३) प्रेसिडेन्ट साहब का स्वागत व्याख्यान

(४) आज की महासभा का मन्तव्य

(५) ~~अन्य सभाओं~~ भेजे गये सभा समाचारों का [illegible]

Lutheran Compound

Ranchi.

24.2.1928.

Dear Raibahadur Mukerjee,

The General Conference of the Gossner Evangelical Lutheran Church, will be held at Ranchi from March 26 - 28, Will it be possible for you to come down during that ~~Kimmxamm~~ time and deliver an address to the Conference on behalf of the N. M. S. An early reply is solicited.

Yours sincerely

Secretary, of the G.E.L. Church in

Chotanagpur and Assam.

To

The Secretary
Church Council, Ranchi.

महाशय—

मान्यवर पादरी होफ्मन साहेब की मृत्यु का हाल पाकर हम महासभा के नामपत्र का प्रूफ जो आया छापने को यह सोच कर कि कदाचित उसका नाम का बदलना आवश्य है वापस को भेजते हैं अनुग्रह यदि यह आवश्यक है तो नाम बदली कर के छापने में वापस भेजिये और हमें उसे काम खतम करने में सहाय कीजिये।

आपका आज्ञाकारी

[illegible]. Ekka
for Manager
14/3/28

महासभा का कामपत्र
१९३८
मार्च २२-२८।

मार्च २२ -- चर्च कौंसिल की बैठकें।

मार्च २३ -- (१) मिनिस्टोरियम की बैठकें ८-११ बजे विहान।

(२) मिनिस्टोरियम और कौंसिल की बैठकें २-५ बजे।

मार्च २४ -- (१) कौंसिल और मिनिस्टोरियम का कोई असमाप्त काम ८-११ बजे

(२) महासभा के अंगों का प्रार्थना समाज, ख्रीस्त गिर्जे में - ६½ बजे

चलानेवाला — मान्यवर पादरी दाऊद कुजूर

विषय —— (क) मण्डली का काम में आशीष के लिये ईश्वर का धन्यवाद।

(ख) पापस्वीकार।

(ग) मण्डली की आत्मिक दशा।

(घ) मण्डली की लौकिक दशा।

मार्च २५ -- (१) विहान की आराधना ६ बजे।

चलानेवाले — आराधना - म: पादरी जयमसीह मिंज।

उपदेश — म: पादरी म. प्रेहन।

प्रभु भोज ३ बजे -- म: पादरी पौलुस तिर्की।

सहायक - म: पादरी सामुएल बागे।

मार्च २६-२८ महासभा की साधारण बैठकियां।

समय — ८-११ बजे विहान।

२-५ बजे दूसरी बेला।

(१) आराधना — चलानेवाला म: पादरी मरकुस तोपनो - २६ शनिवार।

" " म: पादरी नातासतालिङ - २७ रविवार।

" " म: पादरी मनमसीह टोप्पो - २८ सोमवार।

(२) प्रतिनिधियों की हाजिरी।

(३) प्रेसिडेन्ट साहब का स्वागत व्याख्यान।

(४) अगली महासभा का मन्तव्य।

(५) विभिन्न सभा समाजों का सम्वाद।

महासभा अमेरिकन होम बोर्ड को जिन्होंने कमिश्नरी संकट के समय गोसनर कलीसिया के बचाव के लिये आके 5 बरस बड़े परिश्रम से यहां काम किये सारे मन से अपना धन्यवाद कहती है।

महासभा अमेरिकन मिशनरियों को होम बोर्ड को बिनती पूर्वक यह अर्जी करती है कि इन दो मिशनरियों को आगे को बोर्ड के उठाने पर भी यहां रहने देवे जबतक यह बर्लिन विशेष सकेती सम्मत न होवे

इसके सम्बन्धी विशेष विशेष बातें अमेरिकन और बर्लिन होम बोर्ड कृपा कर आपस में समझाई करें।

Mahasabha American Home Board ko jinhon ke Missionary sankat ke samay Gossner Kalisa ke bachao ke liye ake 5 baras bare parisram se yahan kam kiye sare man se apna dhaniyabad kahti hai. M

Mahasabha American Missionariyon ke Home Board ko dinta purbak yah arji karti hai ki in do Missionariyon ko age bhi Board ke uth jane par bhi yahan rahne dewe jab tak yah bartman bishesh saketi sant na howe.

Iske sambandhi bishesh bishesh baten American aur Berlin Home Board kripa kar apas men saphai karen.

Copy supplied to Rev. D. Cannaday, Secretary, Advisory Board.

Robert Cecil

Ministerium Minutes.

छोटा नागपुर और आसाम के मिनिस्टीरियम सभा २७.९.१९२६

निम्न-लिखित-बातें मिनिस्टीरियम में विचारी गई और वे संकल्प मारफत चर्च कौंसिल के एडवैसरी बोर्ड के पास विचार-निमित्त पेश किया जाता है—

१. रानी बांध— रानी बांध-ख्रीस्तान लोगों ने S.P.G. मिशन में जाने के लिये बिशप साहिब के पास दरखास्त किया है। इसी दरखास्त के निसबत में बिशप साहिब ने Advisory Board के पास लिखा कि इस दरखास्त का जवाब मिलने कारण कि दरखास्त Advisory Board के पास भेजा गया है। Advisory Board सेक्रेटरी ने चर्च कौंसिल को स्मरण कराया कि इसके विषय में चर्च कौंसिल ने क्या संकल्प किया है। इसी बात के विषय में चर्च कौंसिल सेक्रेटरी ने इसी बात का विचार करने के लिये Ministerium में पेश किया। पंचैती में सब प्रकार के ध्यान करने के बाद सभा ने ऐसा निपटारा किया

संकल्प—(१) उस इलाका का पास्टर वहां के ख्रीस्तानों के बातों का एक पूरा रिपोर्ट तैयार करे।
(२) वे सब जो S.P.G. Mission जाने चाहते हैं कुचाल चलने के कारण निकाले गये हैं
(३) बहुत अच्छी बातें होंगी अगर S.P.G. मिशन जहां लूथेरान मण्डली काम करती है न जावे।

२. तपकारा— वहां एक समाज है जो मर्नी समाज कहलाते हैं। वे न केवल मर्नी समाज के अंग हैं पर नगमता का काम भी सीखते हैं— जिसके कारण वे मण्डली सजा में रखे गये हैं। ऐसे सजा पाये हुए जनों ने S.P.G. मिशन के बिशप साहिब के दरखास्त दिया है कि वे S.P.G. मिशन में ग्रहण किये जावें— इस बात पर बहुत बात विचार होकर सभा में ठहराया गया कि—

संकल्प— वे मर्नी समाज के हैं और यही केवल नहीं पर नगमतों का काम भी सीखते हैं इस कारण मण्डली सजा में रखे गये हैं।

३. चियाँकेला-टिपकापानी— यहां के ख्रीस्तानों ने कोई कारण दिखा के S.P.G. मिशन के बिशप के पास दरखास्त दिया है कि वे S.P.G. मिशन में ग्रहण किये जावें। सभा में विचार होने के बाद यही ठहराया गया कि— चियाँकेला के ख्रीस्तानों के बातों का सारांश बिशप साहिब के पास भेजा जावे— और बड़े अफसोस की बात है कि एक ऐसा जन उधार रखा गया है जो पहिले लूथेरान पास्टर था जिसके कारण मण्डली में ऐसी गड़बड़ और गोलमाल की बातें चलती और हमारे लूथेरान ख्रीस्तान S.P.G. मिशन में उतरने के लिये फुसलाये और चलाये जाते हैं।

४. बिजार पास्टर-पन के मलंगा— मलंगा के ख्रीस्तान भाईयों में से कितनों ने बिशप साहिब के पास दरखास्त दिया है कि वे S.P.G. मिशन में ग्रहण किये जावें। बिशप साहिब ने उनका दरखास्त A.B. सेक्रेटरी के पास भेजा और उसने चर्च कौंसिल के पास और चर्च कौंसिल सेक्रेटरी मिनिस्टीरियम में पेश किया विचार निमित्त। सभा बहुत बातें करने पर ठहराया गया कि—

संकल्प (१) मलंगा का मार्टिन गुड़िया एक पुराना प्रचारक, जिसके बेटे ने अपने साथीवाली स्त्री को त्याग दिया और रखनी रखा है— इस कारण रखनी रखने और झूठ बोलने

के-कारण-वे और दूसरे-लोग मण्डली सभा में रखे गये हैं —

(२) उस पादरीयन-का-पादरी-इस-का खुलासा रिपोर्ट-लिखकर Ministerium को देवे और Ministerium संकल्प और रिपोर्ट-दोनों को ~~वसु~~ चर्च कौंसिल को देवे और चर्च कौंसिल — A.B. सेक्रेटरी को देवे जिस्ते वह बिशप साहब के पास भेज देवे -

५. डुमर मुण्डा — वहां के ख्रीस्तानों में से कितने S.P.G. होने के लिये बिशप साहब के पास दरखास्त किया है — ~~है~~ उस के सम्बन्ध-बहुत-बातें का गई ~~और ठहराई गई~~ हैं — वहां के ख्रीस्तानों में सैनिकने, रखनी रखने और मूर्तों का पूजा करने के कारण मण्डली सभा पाये हैं सो सभा-यह-ठहराया-गया कि यह-बातें और पादरी का रिपोर्ट उस के सम्बन्ध-में पूरी तौर-से लिख-कर चर्च कौंसिल-के-पास भेजा-जावे जिस्ते चर्च कौंसिल — A.B. को और Advisory Board सेक्रेटरी - बिशप साहब-को-भेज-देवे।

Ministerium आज्ञानुसार —

Ranchi the 28th Sept
1926.

Ecl[illegible]
Ministerium Secretary

VIII મરાઠાની જાયદાદ કે વિષય —

મારફત - ચેયરમેન સાહબ કે સરદારસર બોર્ડ કે સન્મુખ —

મરાઠાની જાયદાદોં કે વિષય મેં - મા. Ministerium મેં બહુત તરહ કે બાત વિચાર હુઆ હૈ. ક્યોંકિ મરાઠાઓં કે સોંગ નિમિત્ત - ટ્રસ્ટીઓં મેં ને મરાઠાઓં કો સોંપ દિયા હૈ પર — પ્રથમ ઉન સબ જાયદાદોં કે આમદાની હિસાબ ઉપરોક્ત બોર્ડ કો દેના ચાહિયે — પર — અનેક — જાયદાદોં — કે વિષય — બાબત — બહુત ગડબડ મચા હોતા હૈ. સો Ministerium નિમ્ન જાયદાદોં કે — કારવાઈ નિમિત્ત — બોર્ડ — સે — કાર્ય — કરતી હૈ

૧. ગોવિન્દપુર હાતા — ગોવિન્દપુર - હાતા - ૨૫ સાલ - કે - ઠેકા પર બન્દોબસ્ત હૈ ઠેકા — સમયપુર - કા ઔર કિતને બરસ બીત ગયે હૈં। ઠાકોરસાહબ કા — ઠાકુર — માલગુજારી નહીં દેતા હૈ પર — ઇસ બાબત કા પટ્ટા માંગતા હૈ સો Ministerium મેં બહુત — બાંધા વિચાર કર કિતને વિરોધ બાતોં કા સંકલ્પ પાસ કિયા હૈ સમાપ્ત —

સંકલ્પ — ૧. સરદારસર — બોર્ડ કો બતાયા જાય કિ ગોવિન્દપુર હાતે કે ઠેકા — કે સમયપુર કા કઈ બરસ બીત ગયે હૈં સો બોર્ડ ઉસકે ઠેકા — કા બન્દોબસ્ત કરે। X ૨

(૨) ઔર ઠાકુર — સાહબ — કો કિસી પ્રકાર સે નોટિસ દિયા જાવે।

(૩) ઇસ બાબત કિ ઠાકુર સાહબ માલગુજારી નહીં દેતા હૈ બાકી માલગુજારી દ્રવ્યોં મેં હિસાબ કરાયા જાવે।

~~૨ ... — બહાં ... મનસુખ કે સાથ કાયવાઈ મેં બન્દોબસ્ત કિ ... પર ... નહીં દેતા હૈ —~~

૨. ~~રસૂલ~~ ... કે - હાતા કે વિષય — વહાં ગિરજાધર કામ મેં હાતા કે સાર મેં એક - ટુકડા જમીન હૈ જો દૂસરે કે દખલ મેં હૈ। ઉસ જમીન કા પટ્ટા મૌજૂદ હૈ ઔર પૂરા નમ્બર ભી પટ્ટા - મેં દર્જ હૈ। મુકદ્દમા ચલાને સકતા હૈ સરદારસર બોર્ડ કો. યહાં કા કાગજાત દિયા — જાતા હૈ કિ કિયા - જા સકતા હૈ

૩ રાંચી જિલા કે ખેત જો ગૈર દખલ હૈ

(૧) ટેંગર વૈં સલ્તો — વહાં કે સબ ગ્રામ પેશગી જમીન ગૈર દખલ હૈં ન કાયવાઈ મિલતા હૈ ન — રુપિયા ને મારાયા જાતા હૈ।

(૨) ચલગનો — વહાં જમીન નિકલવાને મેં દિયા ગયા હૈ કાગજાત નહીં મિલતા હૈ।

(૩) દામો — નિકલવાને મેં - જમીન લિયા હુઆ હૈ। માલગુજાર કઈ વરસોં સે કાયવાઈ — નહીં દેતા હૈ —

(૪) દામો — ગેડુવાર ખુરસ્તાન - કા - જમીન પેશગી લિયા - હુઆ હૈ જમીન — કાયવાઈ - મેં - ખેતી કરને - કો લિયે - ઉસકો દિયા ગયા હૈ પર — કાયવાઈ — નહીં દિયા — જાતા હૈ

(૫) - ડોડસે — મેં — સરકાર - કા - જમીન — ગ્રામ પેશગી લિયા ગયા હૈ જમીન કાયવાઈ મેં ઉસકો દિયા ગયા હૈ પર કાયવાઈ નહીં મિલતા હૈ -

(૬) ગુમાગુરૂ — મેં કચ્છ-જમીન — નરપેશગી-લિયા હુઆ હૈ પર કબ્જ-ના —
રોજગારી-નહીં હુઆ હૈ।

વૌરહ ૬૩।-હુવા હૈ —

(૧) નવાંગાઈં — વહાં જમીન — વૈચાણલેનાજી લિયા ગયા હૈ ઔર — વરસ કા-ભાડા વાર્ષિક
નહીં દિયા-ગયા હૈ।

(૨) ચિત્રાલગુના — વહાં કા જમીન — નરપેશગી લિયા ગયા હૈ પર ગીરફ્તાર હૈ —

(૩) હોનુંરે — નરપેશગી જમીન — ગીરફ્તાર હૈ। —

Ministeriumનો આજ્ઞાથી

Kelkar

Ministerium Secretary

Chotanagpur and Assam Ministerium

की — संकल्प — चर्च-कौंसिल के पास ——

I. १. Circulating Library — इस पुस्तकालय के विषय - सितम्बर १९२४ Ministerium सभा में विचार कर ठहराया गया है कि इसका आरम्भ होना चाहिये पर अब तक कुछ नहीं किया गया है — इसके सम्बन्ध में फिर विचार किया गया और ठहराया गया कि —

संकल्प — Ministerium इस पुस्तकालय को आगे चला नहीं सकती है सो पहला विचार को रद्द कर के एक एक इलाके को सलाह देती है कि जो २ इलाका चाहती है सो एक किताब खाना बनावे और Ministerium चर्च कौंसिल को आज्ञा करती है कि वह उपयुक्त किताबों को खोजने और लिख तैयार करने का अनुग्रह करे।

२. विधवा खजाना — १५ दिसम्बर १९२५ के Ministerium सभा में संकल्प किया गया है कि हर एक पादरी और कैटेकिस्ट को इस खजाने का अंग होना चाहिये और महवारी [illegible] आना के दर जनवरी १९२६ से देना आरम्भ करे पर यह चन्दा अब तक जारी नहीं किया गया है — इसके सम्बन्ध में बहुत विचार किया गया और यही निश्चय ठहराया गया कि —

संकल्प — (१) Provident Fund (पादरी और कैटेकिस्टों के लिये) के ठीक होने से विधवा ~~इस का~~ खजाने का फिर विचार किया जायेगा।

(२) Ministerium मण्डली के कर्मचारी पादरी और कैटेकिस्ट लोगों के लिये Provident Fund का होना बहुत आवश्यक समझती और इस फण्ड को मंजूर करती है और यह नियम भी बांधती है कि हर एक पादरी और कैटेकिस्ट को इसका अंग आवश्यक होना चाहिये — और तनख्वाह के मोताबिक रुपया में १ आना महवारी देना और रखना मंजूर करती है।

(३) बूढ़े पादरियों के लिये किसी प्रकार का Special बन्दोबस्त किये जाने की आज्ञा करती है जिसते बुढ़ापे में किसी प्रकार का मुश्किल न हो।

३. मण्डली व्यवस्था सुधार — स्थानिक मण्डलियों में — मण्डली व्यवस्था की कितनी बातों का सुधार होना बहुत आवश्यक है। सुधार विषयक बातें होने पर Ministerium चाहती है कि वह एक एक मण्डली में प्रकाशित रूप से सर्वसाधारण को मालूम कराया जावे — इसलिये समाजिक बातों का सुधार कर चर्च कौंसिल को आज्ञा करती है।

संकल्प — कि Ministerium ने जहां जैसा आवश्यक और होना चाहिये सुधारना और सभा आज्ञा करती है कि कौंसिल एक एक सभा के नियमों के लिये प्रकाश कर देवे ——

४ - मण्डली कर्मचारियों की छुट्टी का नियम —— १५. १२. २५ का बैठक का संकल्प था कि १९२६ के बरसात की बैठक में विचार किया जायेगा — सभा में बात उठाई गई विचार गया कि —

संकल्प —— चर्च कौंसिल आगे इसके विषय विचार कर और ठहरावे ——

II.- કામ ૧૯૨૪ કે સેપ્ટેમ્બર મહિને-કે. Ministerium સભામેં વિચાર નિમિત્ત રખ્ખા ગયા।

૧. નિયમાવલી કે સુધાર-કે-વિષય-મેં — ઇસકે વિષય સભામેં ચર્ચા કરનેસે માલુમ હુઆ કિ ઇસ સુધાર કે - વિષય-મંડલીઓંકી બાતેં નહીં હુઈ હૈ ક્યા કિ કિસી-ઇલાકેને- ઉસકી મંજુરી વા નામંજુરી કા ખ્યાલ નહીં ભેજા હૈ કેવલ કારીમાટી-ઇલાકે-ને અપની મંજુરી ભેજ દી હૈ। જિસ પર ભી-એક વિશેષ બાત-કી સુધરાવ કા સંકલ્પ- કિયા ગયા હૈ અર્થાત-
ચર્ચ કૌંસિલ-સેક્રેટરી કો-અભિષિક્ત જન-હોના ચાહિયે વા-નહીં-? નિયમાવલીકે અનુસાર અભિષિક્ત જન-નહીં હૈ।

ઇસકે સમ્બન્ધ-મેં બહુત બાત-કી ગઈ અન્તમેં અભિષિક્ત-લોગોંકે ઓરકે દ્વારા નિર્ધારિત કિયા ગયા — કિ-હોના ચાહિયે ઉસકે લિયે ૧૯ ઔર નહીં કે લિયે ૨ વોટ-

સંકલ્પ— President ઔર Secretary દોનોં કો Ordained (અભિષિક્ત) જન હોના ચાહિયે — યહી સુધાર નિયમાવલી-મેં ભી નિયત કિયા જાવે ઔર યહી ~~બાત~~ સુધરાવ મહાસભા કે મંજુરી-કે લિયે-રખ્ખા-જાવે।

૨ મંડલીકાર્યકર્તાઓંકે-વેતન-ઔર સ્કેલ-કે-વિષય—ઇસકે વિષય-મેં Ministerium જાનના ચાહતી થી કિ-વેતનવાલોં બાબત મેં સ્કેલ બનાનેવાલી-કમિટી-બનાયા-ગયા-હૈ। Ministerium કો બોલા-ગયા-કિ-કમિટી-તૈયાર-નહીં કિયા-ગયા હૈ ઇસ કારણ સભા-ઇસ બાત કે વિષય-આગે-બાત-ન-કરકે-કહા કિ —

સંકલ્પ— અવશ્ય-ચર્ચ કૌંસિલ-ઇસકા-વિચાર જલ્દી-કરે-ઔર પ્રકાશ-ભી-કરે।

૩. મંડલી મર્દુમસુમારી — મંડલી મર્દુમસુમારી ઠીક નહીં કિયા જાતા હૈ ઔર ઠીક સમય પર-ભેજા-નહીં જાતા-હૈ જિસકે કારણ-કૌંસિલ જન-સંખ્યા વા દૂસરા-હિસાબ-સમય પર ઔર ઠીક ઠીક-દે-નહીં સકતી હૈ। જિસ્તે ભવિષ્યત-મેં એસા ન હોવે સંકલ્પ કિયા ગયા કિ —

સંકલ્પ— મર્દુમસુમારીકા કામ ડિસેમ્બર કે આખર-તકસે કિયા જાકર ૩૧ ડિસેમ્બર તક ખતમ કિયા-જાવે ઔર દૂસરે-સાલકે ૧૫ વીં જાનેવારી તક ચર્ચ કૌંસિલ કે Secretary કે પાસ-પૂરી-હિસાબ-ભેજા-જાવે। ઉસકે સાથ ૨ સાલભર કા-આમદની ઔર ખર્ચ કા હિસાબ-ભી-ભેજા-જાવે—

૪. મંડલીકે કામદારિયોંકે કામ કે સમ્બન્ધમેં— સભામેં બાતચીત કરનેસે માલુમ-હુઆ કિ કામદારી લોગ વિશેષ કરકે પ્રચારક લોગ કિતને ઇલાકે મેં મંડલી કા કામ ઠીક રીતિસે નહીં કરતે હૈં। તલબ-કમ મિલતા હૈ બોલકે-અપને હી નીજ ધંધે-કામ મેં લગે રહતે હૈં કેવલ રવિવાર કો ગિરજા કરતે હૈં ઔર યહભી બતલાયા ગયા કિ તલબ-ભી એક હી નિયમ સે નહીં દિયા જાતા હૈ જિસકે કારણ અનેક ઇલાકોંમેં પાદ્રી ઔર પ્રચારકોંકે બીચ કાનકાન-કી બાતેં ચલતી રહતી હૈ કૌંસિલ ઇસકા વિચાર કરકે ઠીક કરે।

૫. પાદ્રીમન-કે સિમાના કે બાબત — Ministerium સમઝતી હૈ કિ યહ કામ ચર્ચ કૌંસિલ કા હૈ ઇસલિયે ચર્ચ કૌંસિલ કો જિમ્મા દેતી હૈ।

૬. પાદ્રી લૂથર-વગૈરહ-કે-વિષય— ચર્ચ કૌંસિલ સેક્રેટરીને બતલાયા કિ વહ ચર્ચકૌંસિલ કી આજ્ઞા નહીં માનતા હૈ ઉસકો ક્યા-કરના ચાહિયે? સભામેં કુછ બાતેં હુઈ તિસબાદ સભાને કહા કિ

સંકલ્પ— ~~યહી~~—બાત ચર્ચ કૌંસિલ-કો સોંપા જાય—

II

७. सुलेमान बागे - डोंगटोली - का - दरखास्त — Ministerium के पास भेजा गया — उसने सोमवार को स्वीकार किया - श्रीमान - कमीशनर - को - पत्र लिखा - है पर - अब तक जवाब नहीं - आया है। उसने काम - के लिये दरखास्त किया है — सो उस - का दरखास्त - चर्च कौंसिल - के पास - भेजा जाय।

८ अमरीदपुर — अमरीदपुर - मण्डली - का - अर्जी दरखास्त - सभा - में - पढ़ा गया — बात यह है कि वहां आज तक मण्डली - में - अनबनाव - की बातें - होती - रहती है अर्थात अनैक्य और झगड़ा और उसके दल - के लोगों को आपस में किसी - सेवकाई में अनेक प्रकार की रोक टोक - हुआ - करती है। मण्डली अर्जी - करती है कि इस मिलनसार - का अंत करने - का उपाय किया जावे। इस विषय - पर Ministerium के सभा - में योग्य - William और Johnson दोनों मण्डली को - आप - से भेजे - गये थे। उन्होंने भी सभा - में - अनबनाव - की - बातें को बतलाया। सभा - अनेक - प्रकार - से बात विचार - कर ~~_______~~ यह ठहराव - किया - कि यह चर्च कौंसिल को - अर्जी - करे कि - वहां - के अशांति - की - शांति - में लाने के लिये कोई उपाय किया जावे अर्थात —

संकल्प — Ministerium सभा - चर्च कौंसिल को - अर्जी करती है कि Advisory Board और चर्च कौंसिल — दोनों मिलके रांची - कमिश्नर के Administrator को - मण्डली - के - अशांति को - बातें को - मिटाने के लिये किसी प्रकार का - उपाय कर - देवे -

अमरीदपुर - की गिरजा - घर - के - विषय — अमरीदपुर - की - मण्डली ने अपने दरखास्त - में - यह - भी लिखा है कि सोनारा - में - जो - गिरजाघर बनाया गया - था सो इस साल के बरसात - में - बहुत पानी - होने - की - वजह - से गिर - पड़ा - सो एक गिरजा - घर - का भी बन्दोबस्त - किया - जाना - चाहिये। इस बात का - कुछ विचार नहीं किया गया - और संकल्प - किया गया कि —

संकल्प — चर्च कौंसिल - गिरजा - बनाने - बातें का विचार करे।

१६. Rev. P.S. Kachhap के विषय — पहले वह संथाल परगना मण्डली का - पादरी था पीछे उसने - नौकरी - का इस्तीफा - और - S.P.G. मिशन को त्याग - कर - कूचबिहार - कलीसिया - में - आने - और लौटने - मण्डली - में ग्रहण - किये जाने का दरखास्त को और दूसरा - चर्च कौंसिल ने उसको ग्रहण - करने - की - प्रतिज्ञा - की थी। सो इस समय - में - भी - अपनी - बातें - को - बतलाने - के लिये Ministerium सभा - में - बुलाया - गया। उसने सभा - में अपनी - बातों को बतलाया। आखिर - में उसके विषय - बहुत ध्यान - के साथ - विचार करके Ministerium अपना - राय - इस - प्रकार - दी कि —

संकल्प — Rev. P.S. Kachhap और - संथाल परगना - कूचबिहार कलीसिया - में ग्रहण किया - जावे और यही - संकल्प - हमलोग चर्च कौंसिल - के - पास - भेजा - जावे जिससे चर्च कौंसिल उस - के - नौकरी - आदि - का - बन्दोबस्त करे पर तुरन्त - उसको तुरन्त - पादरी पद का काम न - देवे -

१२ डाड़ीगुटू के कुशलानन्द - टूटा - और मेरेगेस्थाप - के - निरल - गुड़िया — इन दोनों के दरखास्त - चर्च - कौंसिल को - सौंप - दिये — जावे -

१३ तिलिकयायुस - का - दरखास्त — यह भी — चर्च कौंसिल को सौंपा - जावे -

~~Advisory Board Secretary का रिपोर्ट-से-~~

II २०. Advisory Board, Primary, Primary School Head Supervisor और H. E. school के Principal के रिपोर्टों पर-संकल्प —

Board Secretary ने Ministerium में बुलाये जाने पर - ध्यान दिलाया कि जब चर्च की मिशन American Missiary के हाथों में थी तब-संकल्प करके जिस्से वे- आगे-को - यहाँ रह सकें। इन सब बातों को सुन के सभा ने विचार करके-ठहराया कि —

संकल्प — Ministerium स्वीकार करती है कि- Rev. J. Cannaday साहिब-को बदली- उसके जगह-में काम करने के लिये - आवे। और कि यह Ministerium चर्च की मिशन-को- आशा करती है कि वह उसके जगह-में Secretary का काम- करने-को-दिया। Advisory Board को-आदेश-कर

II २१ G. E. L. Church के Primary Schools के सम्बन्ध-नौकरी — Head Supervisor की ओर-से, आवेदन पर —

Head Supervisor ने Ministerium को अपनी नौकरी-के सम्बन्ध-में समझाया- बताया कि उसको अपने काम के समय-आगे -एक एक-स्कूल में-भेजा-दिया है कि क्या करने से अच्छे जो स्कूल-चलते हैं वह-आगे-को-रहें, जिस्से स्कूल-आगे को रहें उसने-सलाह दिया-है कि-हर इलाके के स्कूलों में एक एक- Managing Committee होवे और उनके ऊपर-इलाका-पंच-होवे-और जो grant मिलता है उन्हीं को दिया जावे-जिस्से स्कूल-का काम- अच्छी रीति-से चले। Ministerium इधर उधर-से बातों को-सलाह-कर ऐसा-ठहराया कि —

संकल्प — Ministerium Head Supervisor के उस-सलाह/बात को मंजूर— करती है। जिसको उसने नौकरी- देने के द्वारा। बताया है-इसलिये Ministerium चर्च कौंसिल को-आशा करती है कि यह विचार चर्च कौंसिल-के-रोजगारी-साथ- Advisory के-आगे-रखा दिया— जावे। —

मार्च - दिसम्बर, १९२५।

पिछली महासभा से इस महासभा तक केवल लगभग ६ महीना हुए हैं। साधारण रीतिसे रिपोर्ट देने का समय थोड़ा है तथापि जब इस छोटे समय का रिपोर्ट लिखना आरम्भ किया ~~मुझे~~ जिन बातों को रिपोर्ट देना समझा उनके कारण मैं आनन्दित हुआ। उम्मेद करता हूँ सभा को रिपोर्ट से लाभ प्राप्त होगा।

१, चर्च कौंसिल — कौंसिल मार्च, जून, सितम्बर, अक्टोबर और नवम्बर में बैठी। मेम्बरों की हाजिरी प्रायः उत्तम थी। बोर्ड से बराबर मिशिनरी उपस्थित थे। अक्टोबर और नवम्बर मीटिंगों में जर्मन मिशन के साहिब मेम्बर हाजिर थे। दो बार इवन्जेलिकल बोर्ड और चर्च कौंसिल मिलके पंचैत किई थीं। मिशिनरियों और जर्मन साहिबों की उपस्थिति से कौंसिल में आनन्द भी अत्यन्त बढ़ा।

जो काम इत्यादि ~~हुए गये~~ हुए हैं उनके विषय यह बताना चाहता हूँ :—

२, महासभा के सम्बन्ध में — (i) विशेषकर बोर्ड और डेपुटेशन मेम्बरों ने कौंसिल को दृढ़तासे कहा कि पिछली महासभा में चर्च कौंसिल का महासभा से निकल जाना बिल्कुल भूल था। एक ने जोर देकर कहा हां भविष्यत में चर्च कौंसिल महासभा से कभी न निकले बरन वह महासभा में सबसे पहिले प्रवेश करे और सबसे पीछे निकले। मैं इस बात को बिल्कुल ठीक मानता हूँ और महासभा को आगे सुनाना चाहता हूँ कि आगे किसी भी महासभा बैठकी में चर्च कौंसिल ऐसा न करे।

(ii) १९२३ साल का महासभा मिनिट — देख.भा.ल. करते मुझे मालूम हुआ है कि १९२३ साल का

महात्मा लिखित चर्च कौंसिल फैलमें नहीं है। मि. डुरंड को मैंने पूछा और उसने उत्तर दिया कि लिखित तैयार किये जाके मि. युस्लल्काड़ा को जैसा महात्मा ने आराई थी वैसा दिया गया और युस्ल बाबू ने अबतक नहीं दिखाये हैं। युस्ल बाबू पूछे गये हैं कि उनके पास लिखित है कि नहीं और यदि है तो वह कृपा कर चर्च कौंसिल के पास भेज देवे। अबतक उनसे उत्तर नहीं आया है।

२, आय व्यय सम्बन्धी बातें —

(i) पिछली महासभा के बाद एडमैसटी बोर्ड के आय-व्यय में बहुत तकलीफ पहुंचा। अमेरिकन डोलर पैसा को हमारे रुपैये में बदलने में पर बहुत दिनों से घटते चले जाने से बहुत रुपैयों की घटी होने लगी और ए. बोर्ड ११ हजार रुपैये तक के कर्ज में पड़ गई। इससे बहुत कामों में रोकटोक आ गया। कालेज छात्रवृत्ति बन्द किया गया; और ये खर्च घटाये गये—

लड़कों के बोर्डिंग खर्च से ४५) महवारी,
हाई स्कूल से ८६) "
मिडल स्कूलों से २००) "
प्राइमेरी स्कूलों से २००) "
लड़की स्कूलों से १००) "

फिर सेमिनरी भी बिलकुल लके लिये बन्द किया गया। पर यहां यह बताना उचित है कि सेमिनरी को सितम्बर मास के आरम्भ में बन्द करना केवल रुपैया घटी के कारण नहीं हुआ पर उसका और एक कारण भी था अर्थात् इस १९२५ साल के पिछे सेमिनरी में पढ़ने के लिये यथेष्ट विद्यार्थी नहीं हैं। लेक्चररों ने सेमिनरी को बन्द करते समय एडमैसटी बोर्ड और चर्च कौंसिल के पास यह सिफारिश

भी आशा करता हूँ कि जैसे बन ने तैसे सेमिनरी के लिए खोले और सेमिनरी में पढ़ते समय के लिए और पीछे मंडली में काम करते समय के लिए खर्चा का बेहतर बन्दोबस्त करें जिससे कि लोग खुशी और उत्साह के साथ सेमिनरी में पढ़ें और मंडली में काम करें। मैं भरोसा रखता हूँ कि इन बातों का यहाँ तक कि यथोचित विचार और बन्दोबस्त आगे किया जायगा।

(ii) जैसा अभी बर्णन कर चुका हूँ कि बोर्ड में पैसे की घटी पड़ी जिसके कारण चर्च कौंसिल का सबसे पहिले बार ~~कौंसिल शाके~~ अमेरिका के नेशनल ~~यह~~ लूथरन कौंसिल के पास और अधिक सहायता मिलने के वास्ते एक अपील भेजने की सुधि मिली। तब चर्च कौंसिल ने एक अपील बनाकर बोर्ड के जरिये उसको नेशनल लूथरन कौंसिल के पास भेजा। उसका विचार उस कौंसिल ने किया और बड़ी दया से ३ हजार डालर विशेष दान करके फिर आगे भेज दिया जिसके कारण बोर्ड का खर्चा प्रायः पूरी रीति से चुकने ~~पर~~ था, या थोड़ा सा रह ही जायगा। ऐसा सुनने में आता है। कौंसिल ने इस विशेष दान के लिये बहुत धन्यवाद ~~उस~~ नेशनल लूथरन कौंसिल को भेज दिया है।

(iii) फिर एक नई बात यह हुई है कि बोर्ड और चर्च कौंसिल अलग अलग अपना बजट बनाती और खर्च करती थी। परन्तु अब बोर्ड और कौंसिल सहमत हुई हैं कि जो कुछ पैसा यूरप से आवेगा उसका बजट बोर्ड और कौंसिल मिलकर करेंगी। दोनों तरफ से कितने लोग ठहराये गये हैं जो अब ~~अ~~ वाली बैठक के हिसाब या जनवरी में बजट तैयार करेंगे। यदि यह काम अभी तक हो चुका होता ~~हुआ रहता~~ तो बजट अभी नहीं था का सुना दिया जा सकता

महासभा को यह सुनकर [illegible] होगा कि अमेरिका से कितना रुपैया आता था और आगामी साल के लिये कितना मांगा गया है। आगे तक प्रतिवर्ष 30 हजार डोलर पैसा अमेरिका से आता था और यह देही साल के लिये बोर्ड और कौंसिल ने 40 हजार डोलर का बजट भेज दिये हैं। यह कोई न समझे कि इतना रुपैया मिलने को मंजूर हो जायगा। होता है कि नहीं सो पीछे मालूम होगा।

4, जुबिलियां — जुबिलियें अति आनन्द कराते हैं। कुछ समय बीत गये सभासदों को याद होगा कि हमारे मंडली के सबसे वृद्ध और प्रधान पादरी नायक [illegible] लाकड़ा का 50 वर्ष पादरी काम करने का सुवर्ण जुबिली हजारों ने बड़े आनन्द के साथ माना है।

ऐसा एक जुबिली इस साल होना चाहिये था अर्थात इस देश के सबसे पहिले उरांव लोगों को खुस्तान होना 75 वर्ष इस साल हुआ है तो उसकी जुबिली मानना चाहिये था। वर्ष कौंसिल ने [illegible] को हिदायत दिया कि जैसे बन पड़े वैसे सब गांवमें वह एक जुबिली मनावे तो बड़े आनन्द की बात होगी। कौंसिल को मालूम नहीं है कि यह जुबिली इस साल मनाई जायगी या नहीं। एक ऐसी ही जुबिली [illegible] का हरदगा इलाके के चितापुर गांवमें इस साल मनाई गई है।

और एक जुबिली तो आने वाले सालमें होगी अर्थात पहिले मुंडा खृस्तानों की 75 वर्षीय जुबिली।

5, बाहर वालों से सम्बन्ध

(i) मारकुण्डा गांव ग्राम में नेपाल मिशनरी सोसाइटी को दी गई तो वह 3 वर्षों के लिये दी गई थी। इसलिए उसका इस साल (लिया) किया हुआ और फिर भी मारकुण्डा नेपाल मिशनरी सोसाइटी को दी गई है। इसका आगामी विचार पीछे होगा।

(ii) सम्बलपुर जिला में बपतिस्तों और हमारे बीच सीमा की बात होगी थी। इसको ठीक करने के लिये एक कमिशन (उनके और हमारे प्रतिनिधियों का) बैठी और पेटेस्ता(?) की सिफारिश को चर्चों ने मंजूर किया। वह यह है

(a) कि सम्बलपुर और उड़ीसा के अन्य जिलों में लूथरन कलीसिया की तत्कालिक, वर्तमान और भविष्य आवश्यकताओं(?), इसके और बपतिस्त वर्ग और बपतिस्त मिशन के बीच में कोई सीमा न होवे। लूथरन और बपतिस्त स्कूलों को आगे रखने की सुविधा लेने का अधिकार रहे और जहां कहीं वे जावें उनका आध्यात्मिक ~~[illegible]~~ प्रबन्ध करने का अधिकार होवे।

(b) कि बपतिस्त वर्ग और बपतिस्त मिशन सम्बलपुर और कितने उड़ीसा अन्य जिलों में कुछ गांव हैं और सम्बलपुर, बैसाबोल(?), कन्धमाल(?) और बनड़ाखेड़ को कार्य का वर्तमान प्रबन्ध स्थान मानते हैं और इसलिए इनमें प्रबन्ध करने को वे स्वतंत्र छोड़े जावें।

नोट- बनड़ाखेड़ के ~~पू~~ उत्तर भाग में जहां बहुत ही लूथरन ख्रीस्तान हैं उनके विषय सुन आ गया है कि बपतिस्त लोग वहां धर्म प्रबन्ध नहीं करेंगे।

(c) कि जब लूथरन कलीसिया और बपतिस्त वर्ग दोनों का अभिप्राय है कि वे ख्रीस्त का प्रकाश करें और उसके लिये शिक्षा प्राप्त करें तो जहां जहां बन वे एक साथ काम(?) करें ~~और~~ विशेष करके ऐसी जगहों में जहां वे तितर बितर हैं और उनका मिलना ख्रीस्त के लिये लाभदायक हो जो मौके हैं आवश्यक विशेष धर्म शिक्षा को दे रहे। इस सिलसिले एक स्थान के ख्रीस्तान आवश्यकता के लिये दूसरे जगह में जावें तो वहां वे धर्म आराधना में सम्मिलित हो सकें।

(iii) झारसुगुडा मीटिंग — यह मीटिंग झारसुगुडा में इसलिये बुलाई गयी थी रैगढ़ इत्यादि स्टेटों को देखने के बारे। नेशनल मिशनरी सोसाइटी का विचार था कि रैगढ़ इत्यादि स्टेट जो झारसुगुडा और सीमा के बीच में हैं वे भी ख्रीस्तान नेशनल मिशनरी सोसाइटी का दिखलावें कि यह सब स्थान लगातार ख्रीस्तान हो न पावें। इसके विषय यह झारसुगुडा मीटिंग में हुई जिसको कौंसिल ने मंजूर कर लिया है —

किन्तु कि अब अमेरिका का एवंजेलिकल लिगेशन रैगढ़ और उदैपुर में अपना मिशनकाम भी कर चुका है तो ये दोनों स्टेट उन्हीं के लिये छोड़े जावें और सरगुजा गोस्सनर कलीसिया के लिये छोड़ा जाय और यदि आगामी ५ वर्षों में गोस्सनर कलीसिया सुरगुजा में मिशनकाम आरम्भ न करे तो एवंजेलिकल लिगेशन के वहां भी प्रचार का विचार किया जा सके।

(iv) गुन्टुर राजमहेन्द्री मिशन ताल के कितने लूथरन ख्रीस्तान आसाम के तिनसुकिया इलाका चाय बागानों में आये हैं। उनको चरवाही करने के लिये गुन्टुर राजमहेन्द्री कलीसिया से आज्ञा हुई और कौंसिल ने मंजूर की। Mr. ... उनका देखभाल करते हैं। इस काम के लिये कुछ सहायता भी मिलती है।

(v) आसाम के पूरबी भाग में छोटानागपुर के लूथरन मिशन की मांग — ये लोग एक मांग आसाम के एक लूथरन समाज से आई है। इसका बन्दोबस्त अभी तक नहीं हो चुका है। जनवरी ... में होने की आशा है।

छ. कमज़ोर मंडलियां — इलाकों से सम्बन्ध रखते हुए मुझे अनुमान होता है कि ये मंडलियां ~~कमजोर हैं। उनमें कोई ... ~~ किसी न किसी हालत में कुछ आर्थिक कमज़ोर हैं — आसाम, पुरुलिया, और जमशेदपुर में मेल शांति नहीं है; सिंघानी, राजा, ... पटना इत्यादि के लिये चरवाही ठीक नहीं हो सकती है।

केवल इतना बता के मैं यह नहीं कहता हूं कि आप समझें कि बाकी मंडलियां मेरे विचार में बहुत अच्छी हैं। नहीं। बाकी मंडलियों के बारे मेरा समझना है कि उनमें कोई विशेष ... हैं; पर उन को ... और ... से ... से

कोई नुकसान नहीं करेगा लाभ जरूर पहुंचेगा।

७, मेरी सलाहें [illegible]—

(i) कृपया आप [illegible] के मर्दुमशुमारी को तैयार करने में [illegible] सहायता दीजिये और मर्दुमशुमारी फार्मों में [illegible] में जितने खाना हैं उन सबको भरिये। दोनों खानों का हिसाब बहुत प्रयोजन होता है और बाहर के लोग इनका हिसाब मांगते हैं।

(ii) जायदाद और इलाकों का जो नक्शे लिखित किये गये हैं उनको बेशतर ही दिखा जाती कीजिये।

(iii) मैं यह याद दिलाना चाहता हूं कि [illegible] कार्यवाहियों को डायरी रखने का फैसला हुआ है इसका [illegible] लोग पालन करते हैं कि नहीं?

८, जमीन निशानदी— लेकिन इस महीने के रिपोर्ट में सबसे बड़ा और बड़े आनन्द का रिपोर्ट मैं यही समझता हूं कि [illegible] और जान साहिब दोनों का देखने के लिये [illegible] में [illegible] पहुंचे हैं। वे [illegible] [illegible] ने दिखा चुके हैं। इन जगहों के लोगों ने आनन्द से [illegible] उन्हीं का [illegible] किये और हम [illegible] करें कि निश्चय हम उनको [illegible] बहुत आवश्यक है। [illegible] वे दोनों [illegible] देखने गये थे। [illegible] [illegible] साहिब तो [illegible] से [illegible] जायेंगे लेकिन [illegible] के [illegible] जान साहिब [illegible] नुकसान [illegible] जायेंगे और [illegible] जायेंगे। तब [illegible] वे [illegible] लिखेंगे। [illegible] [illegible] और [illegible] आशा है कि वे यहां काम काज के लिये आ जायेंगे।

Account of the Administrative Grant, January to Dec., 1925.

Receipt Rs 10,888-13- 4.

Disbursement :--

Ilaka grant	Rs 6600
Coll. schol.	Rs 1325
B. Hostels	Rs 905
Pdt's sal	Rs 700
Sectr's sal	Rs 288
Rev. Ch. T.	Rs 40
Bib. Wmen	Rs 170
Madras conf.	Rs 100
P. Hurad	Rs 760-13- 4
Total	Rs 10888-13- 4

Account of the Central Fund, January to Dec. 1925.

Receipts

Balance of 1924	25- 9- 2½
5% contrib.	1141- 4- 6
From A.B. Conf.	130-
,, B.&O.	15-
Rev. I.C. Singh.	30-
BurmaJasp help	20-
Held up grt	100-
Rev. Baun, Ganjam	150-
Singh. comm.	5- .- 6
Easter coll	32- 7-
,,	85-12-10½
Swapalan	63-10-
Total	1798-12- 1

Expenditure.

Pdt's Tour &c	167- 8-
Sectr's cont.etc	147-13- 6
Treasur's ,,	21-13- 6
C.C.clerk	230-
T.A. for C.C. mtg et	375-11- 6
Conference	153-15-
Singhani past	205-
Lohard. past	12- 8-
Kinkel school	10-
Rent to Trustee	10-
B.& B. conf	45-
Regtn, Madras	10-
Assam, Sialtee	150-
Ptg, returns	44- 5-
Deptn	19-11-
Total	1603- 5- 6
Balance	195- 6- 7
Grand Total	1798-12- 1

Statement showing the Income of the G. E. L. Church of Chotanagpur,
January — June, 1925.

Ilaka	Balance ~~Sunday~~ ~~of~~ ~~offt~~ Prev-year	~~Sunday~~ Sunday offg.	Sacrt. offg.	Thanks offg.	Harvest. offg.	1st fruit offg.	Ghara Sirni	Marriage fee	Prabhu prt.	Income from Land	Mandli Paisa	Cate. grt.	Other Sources	Total	Remarks.
1. Ranchi	187-8-1	439-10-7½	164-7-7½	16-15-9	~	~	178-9-0	378-4-0	72-4-9	289-6-9	-	492-·-—	77-9-0	2296-10-10	
2. Lohardaga	~	267-11-10½	59-10-9	6-4-3	107-13-3	2-8-0	237-9-0	229-5-0	61-2-6	78-12-6	22-9-9	344-·-·-	20-1-6	1431-5-4½	
3. Gumla.	~	142-4-0	29-4-9	30-13-9	116-0-3	~	164-11-3	74-11-0	24-12-3	75-11-0	44-2-6	77-·-—	21-3-0	800-9-9	
4 Kondra	16-2-9	128-8-3	26-6-6	5-6-0	41-0-3	4-12-0	141-1-6	158-12-0	7-12-0	-	36-14-0	130-0-0	27-9-9	724-5-0	
5 Chainpur.	0-9-0	99-15-3	33-15-3	19-6-9	151-4-3	15-3-3	150-2-9	184-0-0	61-9-9	19-8-0	108-2-9	222-6-0	86-12-0	1152-9-0	
6. Kinkel	0-3-0	184-8-9	41-13-6	34-15-9	84-5-6	19-14-3	122-2-0	226-4-0	17-15-0	92-4-6	12-11-0	225-0-0	265-12-6	1327-13-9	
7. Khuti-toly	30-5-0	352-13-9	49-8-6	30-14-0	72-4-0	1-0-0	288-2-3	158-14-6	18-3-0	92-0-6	8-10-0	294-0-0	7-1-3	1403-12-9	
8. Koronjo	3-15-9	475-2-0	94-13-6	89-15-3	160-5-0	-	231-14-0	364-4-0	41-8-0	26-4-6	19-12-0	-	116-6-0	1624-3-9	
9. Rajgangpur	51-1-3	332-9-0	81-14-6	20-13-9	54-5-0	1-9-0	353-1-0	220-10-0	63-13-9	-	60-7-3	350-0-0	67-10-9	1657-15-3	
10 Jarakundar	2-14-3	141-0-3	23-4-6	7-13-0	19-3-0	1-2-0	202-10-9	92-7-0	-	-	16-8-0	162-0-0	62-8-3	731-7-0	
11 Karimati	~	319-1-9	102-0-3	25-1-3	-	2-15-3	180-2-6	249-10-0	-	-	2-0-0	185-0-0	88-7-3	1154-6-3	
12 Chaibasa	90-11-0	76-4-3	31-0-0	6-9-6	36-0-0	-	57-15-9	20-0-0	10-12-9	-	94-4-6	122-0-0	9-14-3	555-7-3	
13. Purulia	-	54-8-10½	6-5-6	2-15-0	-	-	35-6-0	31-0-0	-	-	-	30-6-6	12-11-0	172-14-4½	
14 Singhani	6-5-9	14-2-4½	7-5-0	-	-	-	8-8-0	9-8-0	-	-	-	255-0-0	14-6-0	307-3-1½	
15- Tamar.	~~219-15-~~	219-15-0	6-0-0	11-9-3	26-10-0	-	127-2-6	29-8-0	4-8-0	-	7-0-0	72-0-0	9-5-9	513-10-6	
16 Burju+Tokad	124-2-6	628-5-9	112-9-0	34-0-6	224-5-0	6-7-6	274-5-6	352-14-0	62-1-0	111-0-0	36-1-0	174-0-0	3-1-0	2145-4-9	
17. Govindpur	183-14-0	661-12-7½	133-10-9	75-2-3	286-6-9	39-8-0	186-2-0	345-8-0	173-10-0	236-14-0	8-12-0	165-6-0	72-15-3	2574-3-7½	
18 Takarma	174-6-3	708-6-6	122-4-3	239-1-6	498-8-6	-	491-8-0	246-8-0	159-1-6	-	81-3-0	-	-	2720-15-9	
Total	372-2-7	5257-12-10½	1126-6-1½	657-10-6	1878-6-9	9415-3-0	3425-4-0	3371-15-6	~~[illegible]~~ 779-1-6	1021-13-3	559-2-9	3299-0-0	967-6-6	23304-13-7	

Statement showing the Expenditure of the G. E. L. Church of Chotanagpur, January — June, 1925.

	Ilaka	Pastors' Sal.	Catechists' Sal.		Comm.	Servants	Repair		Contin.	Panch. mtg.	Central fd.	B. S.	H. M. S.	Other exp.		Total	Bal.
			Church	Grt.			houses	Land									
1,	Ranchi	612-0-3	552-9-3	492-0-0	113-0-0	96-0-0	-12-6	145-11-0	63-5-3	–	–	18-15-4½ ~~18-15~~	20-9-10½	181-11-4	.	2296-10-10	–
2.	Lohardaga	392-14-6	417-9-4½	344-0-0	59-4-0	–	17-12-3	66-8-6	58-11-0	31-4-0	18-0-0	–	4-7-6	26-14-3	.	1437-5-4½	–
3.	Gumla.	326-2-3	233-0-0	77-0-0	21-12-0	–	41-14-3	–	60-13-9	–	–	–	–	45-15-6	.	800-9-9	–
4	Kondra	286-0-0	218-1-3	130-0-0	15-0-0	–	–	1-8-0	32-5-3	12-0-0	20-0-0	–	–	9-4-0	.	724-2-6	0-2-6
5.	Chainpur	271-2-0	481-2-9	222-0-0	45-0-0	–	–	–	20-9-0	52-13-0	38-11-3	–	5-0-0	15-11-9	.	1152-1-9	0-7-3
6	Kinkel	254-6-0	304-4-0	225-0-0	73-12-0	143-9-6	–	48-15-0	27-9-6	–	39-8-0	–	5-3-3	205-2-9	.	1327-6-0	0-7-9
7	Khuntitoly	339-0-0	617-12-9	294-0-0	41-2-0	–	–	–	14-1-3	–	26-0-0	5-0-0	5-0-0	29-0-0	.	1370-15-3	32-13-6
8	Koronjo	485-3-3	92-11-9	–	–	–	–	–	31-15-6	6-2-0	10-9-0	–	8-7-0	89-3-0	.	1624-3-6	-.--3
9	Rajgangpur	503-5-3	632-11-6	320-0-0	-6-	–	-8-	–	23-10-6	–	97-5-9	–	11-4-0	27-1-0	.	1616-4-0	41-11-3
10	Jarakundar	100-0-0	303-14-0	162-0-0	–	–	–	–	77-10-6	–	34-0-0	–	20-9-0	5-1-0	.	703-2-6	28-4-6
11-	Kharimati	318-14-6	473-9-9	185-0-0	50-11-3	–	–	7-4-0	40-4-3	–	30-2-0	10-2-6	6-5-3 ~~10-2-6~~	32-0-9 ~~6-5-3~~	.	1154-6-3 ~~32-0-9~~	0-0-0
12-	Chaibasa	180-0-0	49-0-0	122-0-0	9-10-0	–	–	–	63-12-9	24-0-0	–	–	6-4-9	36-2-0	–	490-13-6	64-9-9
13.	Purulia	120-0-0	–	–	10-0-0	27-0-0	–	–	3-10-0	–	–	2-15-3	1-4-1½	7-12-6	.	172-9-10½	0-4-6
14.	Singhani	150-0-0	–	84-0-0	4-4-6	4-0-0	-8-9	–	7-2-9	–	21-0-0	-11-0	–	24-13-0	.	296-15-0	10-4-1½
15	Tamar	200-0-0	208-0-0	72-0-0	6-0-0	–	–	–	7-2-0	–	12-0-0	–	–	–	.	505-2-0	8-8-6
16.	Burju. Fotkel	1020-0-0	797-0-0	–	49-14-9	–	.	–	13-6-0	–	47-0-0	–	–	54-10-6	.	1981-15-3	163-5-6
17-	Govindpur	457-0-0	1040-3-7½	120-8-0	72-8-9	7-3-0	64-13-3	–	94-4-6	68-11-1½	18-0-0	6-4-9	-14-6	277-14-6	.	2228-6-0	345-13-7½
18	Takarma	602-8-0	1290-4-0	–	51-0-0	61-0-0	159-4-0	–	30-7-0	–	95-14-0	15-14-9	9-8-9	22-15-9	.	2338-12-3	382-3-6
	Total	6672-8-0	8611-13-3	2849-8-0	623-5-3	338-12-6	~~250-5-0~~	269-14-6	671-3-9	194-14-7½	508-2-0	59-15-7½	104-14-0	1091-5-7	.	22221-13-7	1083-0-0
		6612-8-0					285-5-0										

सेक्रेटरी महासभा को ।

महाशय,

रूल्स आफ आर्डर के १ले निर्णय के दूसरे प्रकरण के अनुसार मैं दीनतापूर्वक महासभा से अरजी करता हूं कि कृपा कर सभा में मुझे बोलने को अनुमति मिले जिसके कारण मैं सभा को बहुत धन्यवाद दूंगा ।

आप का कृपाभिलाषी -

जयमसीह एक्का, रांची, ।

१६ - १२ - १९२५

अमेरिकन मिशनरियों के ~~[illegible]~~ गोस्सनर कलीसिया में आगे काम करने के विषय १९२५ की बिहार महासभा में यह संकल्प हुआ :—

कृपया कर इस को अंग्रेजी में
अनुवाद कर

सेक्रेटरी,

लुथेरान कलीशिया छोटानागपूर और आसाम
के निकट सविनय निवेदन।

महाशय,

हम लोगों को अरज ऐसी है कि
हम लोगों को आनेजाने का भाड़ा मिले।
यह कोई नियम तो नहीं है और नियम
आगे के लिये भी नहीं चाहते हैं। क्योंकि
फरवरी के पीछे हम लोग अपने
खर्च से आ सकते हैं और चाहते
भी हैं। और हम लोगों ने अपने बीच
में अभी तक कोई ऐसा बन्दोवस्त नहीं
किया है।

इस कारसाज से यदि आप लोगों
की इच्छा और नियमावली से बाहर
न होवे तो कृपया कुछ मिले।

रांची
१६ दिस: १९२५

आप का आज्ञाधीन,
खृस्त हरकुान केंगरा।
जिलो तोगा।
(कालेज डेलिगेट).

Cannot be
entertained.

Delegates

Takarma 14-12-25

Lutheran

Church Concile ko

Pracharak Jusoph Bhengrai ka bahut2 jishusahay.

Age ap logon ko malum ho. ki main bite hapte men hukhai aur ghazai aur hulki se bahut bimar tha jiske karan ab tak bahut durbal malum hota hai aur chalne phirne bhi ab tak thik tarah nahin sakta hun - So ap log mere garhajri par mujhe maph kijiye. Main abki mahasabhai men jane ka bahut dil thana tha par sharir ki durbalta se ja nahin sakta hun -

Prem se

Jusoph Bhengrai

Purulia

Rev: M. Herad

" N. Sandil

Babu P. Dh madiray obligati

Kinley

Burju –
Batinidhi

Samuel Purti Kotna
Santosh Horo Burju
Mansidh Topono Torpa
Samuel Guria Koenosa
Samuel P. Purti – Doldag

Pastor.

Rev Suleman – Sanga.
Mansukh Tuti
Christochit Guria
Nattroff. Tiru

Rev Paulus Mauki

" Nehemiah Surin

David Topono Pandadi

Samuel Purti Chakki.

Bill No. 951

Babu Mahendra Khess Dr. to

Ranchi.

The G. E. L. Mission Press,

RANCHI, B. N. Ry.

Printers and Book-binders.

Printing done in English, Hindi, Bengali, Mundari and Uraon. Book-binding done in any style in Cloth, Leather, &c.

Established 1882

Rates Moderate. Terms:—Cash *Trial solicited.*

N. B.—*If Bills not paid within one month from date of issue, interest will be charged at the rate of 25% per annum till realization.*

Date	No. of Copies, &c.	Particulars.	Rs.	As.	P.
		Printing			
	50	Invitation Cards	1	.	.
		Price of Cards	nil		
		Received payment M C Ekka for Manager 11-12-25			
		Total Rs...	1	.	.

E. & O. E.

Rs. 1-0-0

Dated 11-12-1925

Elias Purti
Manager.

Ref. No. if any ____

Gossner Apostlaka

1. Prabhusahay Topno Satal
2. Johan Anand Ekka
3. Ch. Hardugan Horo
4. Barnabas Hemrom
5. Samuel Topno
6. ~~Matias Khan~~ Daniel Horo
Ch. C.P.M.

Pastors

Rev. Ch. K. Bhengra
Rev. P. D. Kandulna
Rev. Daniel Horo
Rev. David Kerketta

Rev. Ch. K. Bhengra
16-12-25

Khuti toli
16-12-26

2. Padri
2 Pratinidhi

आसाम इलाकों से

पादरीबाबू ओलिवर इक्का तोपनो

पादरी बाबू कुजूर हैं जो

बाबू प्रभुदयाल मिंज-

Karimatti Delegates

1 Padri Rev. M. Maurki

1 Preacher - P. Dayal bagan

1. school Master. Stephan Samad

Champur
Rev P. P. Ming
Babu. B. Kujur
" Joasaph Ekka

Jharsuguda

1. Rev. S. Gnanabaranan
2. " L. Jojowar

Delegates Takarma

1 Santosh Marki

2 Daud Marki

3 Benjamin Dhan

4 Yakub Bage.

---

1 Rev. Mansith Hemrom

2 " Lucas Dpmo.

रांची इलाका पंच के डेलिगेटों का नाम.

1 बाबू योगहल टोप्पो,
2 बाबू सोमा एक्का
3 बाबू पितर हुराद
4 बाबू [illegible] लाल तिर्की
5 बाबू निमियोत मिंज
6 बाबू खुस्कोम्भद तिर्की
7 बाबू इस्राइल एक्का
8 बाबू मोहन कुजूर ।

A. L. Tirkey
Secy. R. D. Panch
16/12/45

कोकैन लड़कों की मोरसे।

(१) बाबु हरदुर्गन जैगारा

(२) " जिलो तीगा ।

१९२५ दिसम्बर

Kondoa

1. Padri –
1 Pradianak,

Koronjo Ilaka

R. Obed Dum

" Nathaniel Bage

Anandmasih Bage

Patras Baba.

Lohardaga

Rev. Yohannus Kujur

" Dharmprakash Min

Candi: Nathaniel Khalkho

Jusaph Kujur

Puranprasad Tirki

Chaibassa

1 Padri!

કિન્નકોલ

પહોંચાડવું નહાવ- ના કાંડા-

" " પાપમોહ ફિકર

પ્રાપ્તક સંગ્રહ- તેના-

~~સંગીત- ક્રિયાઓ~~

નમની ઝુકવું

Singhani
Hazaribagh

Jaimasih Tirky

Rajgangpur

1 Padri Nathanael
2- " Prabhusahay

Pratinidhi

1- Joel
2- Jonas

Bacteli-Ghughy

Dakras kebije

die

1, Elias - Berjo 2/-

2, Debra - - 1/-

aaiu g

Gunda Ilaka

1. Rev. Daud Kujur.
2. " Sitkhi Ekka
3. Michael Minj

Khuti Toli
16-12-25

1. Rev. Dharmmudas Kugu
2. Rev. Christanand Minz
3. Saleman Kulu Pracha
4. Aiyub Tirkey

36
37
73

43
37
8-0

To

The Church Councile

Of Lutheran Church

Secretary

Binyamin Minj

Ranchi

1925.
&&&&&&&&&&

MEMBERS& DELEGATES of the General Conference, Dec. 16-18, 1925.

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

			Eligible	Present
A.	All pastors		58	4
B.	All Candidates			
C.	All unordained members of the C.Council		5 (43 pastors?)	
C:	Unrepresented Council members :—			
D.	Ilaka representatives :			1
1.	Ranchi	2 5 pastors	4	4
2.	Lohardaga	2 " 1 Cand	2	2
3.	Gumla	2 "	1	1
4.	Chainpur	1	2	2
5.	Kondra	1	1	1
6.	Kinkel	2	2	2
7.	Koronjo	2	4	2
8.	Khutitoli	2	2	2
9.	Rajgangpur	2	2	2
10.	Jarakudar	1	1	1
11.	Chaibassa	1	1	
12.	Purulia	2	1	1
13.	Singhani		1	1
14.	Burju & Tamar	2	7	2
15.	Govindpur	4 4	6	5 6
16.	Takarma	2	4	4
17.	Karimatti	1	3	2
18.	Jharsuguda	2	1	
19.	Assam	2	2	1
20.	College		2	2

VISITORS : 40 + 1 + 43 = 84

1. Rev. D. Cannaday
2. " O.V. Werner
3. " J. Stosch
4. " A. John.

42 + 1 + 44 = 87

1925.

MEMBERS& DELEGATES of the General Conference, Dec. 16-18, 1925.

		Eligible	Present
A.	All pastors	38	
B.	All Candidates		
C.	All unordained members of the C.Council	5 (+3 pastors?)	
D.	Ilaka representatives :		
1.	Ranchi	4	
2.	Lohardaga	2	
3.	Gumla	1	
4.	Chainpur	2	
5.	Kombra	1	
6.	Kinkel	2	
7.	Korenjo	4	
8.	Khutitoli	2	
9.	Rajgangpur	2	
10.	Jarakumar	1	
11.	Chaibassa	1	
12.	Purulia	1	
13.	Singhani	1	
14.	Burju & Tamar	7	
15.	Govindpur	6	
16.	Takarma	4	
17.	Karimatti	3	
18.	Jharsuguda	1	
19.	Assam	2	
20.	College	2	

V I S I T O R S :

Present at Conference
March 1925.

47. Pastors.
5. Candidates.
49. delegates.
3. C.C.

104. present.

2. A.B. visitors also present.

1925.

MEMBERS & DELEGATES of the General Conference, Dec. 16-18, 1925.

		Eligible	Present
A.	All pastors	55	
B.	All Candidates		
C.	All unordained members of the C.Council	5 (+3 (pastors?))	
D.	Ilaka representatives :		
1.	Ranchi	4	
2.	Lohardaga	2	
3.	Gumla	1	
4.	Chainpur	2	
5.	Kombra	1	
6.	Kinkel	2	
7.	Koronjo	4	
8.	Khutitoli	2	
9.	Rajgangpur	2	
10.	Jarakudar	1	
11.	Chaibasa	1	
12.	Purulia	1	
13.	Singhani	1	
14.	Burju & Tamar	2	
15.	Govindpur	6	
16.	Takarma	4	
17.	Karimatti	3	
18.	Jharsuguda	1	
19.	Assam	2	
20.	College	2	

VISITORS :

सिंघानी १४/१२/२५

मान्यवर महाशय को याशुसहाय

आप का भेजा हुआ महासभा के आम का Progamme पाया. लेकिन Rules of Order नामक हिन्दी तर्जुमा किया हुआ नहीं था उसमें क्या २ लिखा हुआ है मालुम नहीं- गत मार्च महिने का धर बन्धु भी नहीं है- मैं तो थोड़े दिन रियासत में रह कर इस मंडली का पूरा २ हाल बता नहीं सकता हूं- मेरा जाना फजूल है- दो मालिकों का नौकरी भी करता हूं- सिंघानी मंडली की तरफ से सिर्फ जयमति द प्रचारक प्रतिनिधि हो कर जाने वाले हैं- जाला मंडली के भाइयों

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

के ऊपर मोकदमा जो
लगा हुआ है, उन को
देख भाल करते रहे हैं
(यदि हो सके तो वहां का
प्रश्नालि भी भेजयेगा जब
कि मोकदमा खतम हुआ है)
आप का
J. [illegible].

ADDRESS ONLY

Rev.
Benjamin Minj
G. E. Lutheran
H. E. School.
Ranchi.

Gumla. 13. 12. 25.

Piyare babu Binyamin Minj ko mera bahut
Yishusahay hove

age ap ko janate hain ki Gumla Ilaka
se 3 Diliget Mahapanchait ke waste
jate hain arthat.

Barnabas Minj
Mikhael Minj
Dharamdas Lakra.
aur Do padri.
Juma. 5 jan –

Prem se.
D. Tigga

Jharsuguda,
12. 12. 25.

Dear Mr. Ming,

Just received orders from Mr. J. D. A. asking Rev. L. J & myself to attend the Mahasabha meeting. I have to visit a village on Sunday & be back that night. I hope to reach Ranchi on Tuesday. As for the workers you have kindly selected I have asked Mr. J. D. A. to allow me to settle it while at Ranchi. With many thanks & kind regards

Yours sincerely

S. Gnanabaranam

To,

The Secretary,
Lutheran Church Council, Ranchi.

Sir,

Having got the information that a delegate from the Lutheran College Students' Association is to be present in the ensuing G. E. L. Church Mahasabha, we the students of Calcutta Centre send Mr. J. P. Tiga to represent us in the same.

Yours faithfully,
Benjamin Topno.
Secretary,
Lutheran C. S. A. Calcutta.

Dated the 13th Dec. 1925

Purulia
13. 12. 25.

Manyawar Secretary ko Yishusahay.

Niche Purulia Ilake ke pratinidhiyon ka nam jo Special Conference men jayenge aur Ilake se chune gaye hain so dete hain—

1 Rev: M. Hurad.
2 " N. Saudil
3 Babu Madiray, Prem Sharan

Visitor

1 Akhay Khumar Chowdhry.

M Hurad

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE ADDRESS O

INDIA POSTAGE 3P THREE PIES 3P

RANCHI DELY 14 DEC 25 9 - A.M.

Revd. B. Minz
Secy: Church Council
G. E. L. Mission
Ranchi

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER

Chainpur. 12.12.25

Manywar Mahashay

ap ko mera Yishusahay.

Age. apsos ki bat hai ki mera jangh as pas meṅ do tho quṛa nikla hai. jo aj tak nahiṅ phuṭ gaya. jis se. chalna phirna uṭhne baithne meṅ bhi takliph hotā hai. jis ke karan se maiṅ is Maha-sabha meṅ hajir ho nahiṅ saktā huṅ.

ap ka.
Rev. D. K. Toppo

Lohardaga
12-12-25

Priye Mahashay
Ap sabhon ko ham
sabhon ka Yishu sahay.
Iswar ki kripa se ham
log kuchh achhe hain
Ap logon ka hal malum
huwa. Mahasabha
ke liye nirvachit ja
pratinidhi chune gaye hain
Rev. U.E. Kujur Rev M. Toppo
Rev. Dh. Minj. Cand. Nathaniel
Khalkho; Prach. Immanuel
Ekka, Prachin Jusaph Kujur Nij
aur Puranprasad Tirki Khatri.

POST INDIA CARD

INDIA POSTAGE
HALF ½ ANNA

RANCHI
DELY
13 DEC 25
1 30PM

LOHARDAGA
12 DEC 25

WRITING SPACE

Hatta sambandhi
bartan Ranchi
jane se batchit
karenge.

yours sincerely
U. G. Knight

ADDRESS ONLY

To
The Secretary
L. C. Council
Gossner H. E. school
Ranchi

Mission Station Korimatti
11-12-25

To The Secretary, Ch. C., Ranchi.

प्रिय माननीय महाशय,

आगामी [illegible] के लिए [illegible] December

महासभा का Ranchi Delegate के लिये [illegible] (प्रतिनिधि)

यहां [illegible] से चुने गये हैं। इनका नाम ये हैं:-

1- Rev. M. Manki ; 2- Cand. Bons Munda,
3.- Prabhudayal Luğun Prachin athwa
4- Stephan Samad Teacher.

Yours sincerely
Rev. X. Aind

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

HALF ANNA

BISRA 11 DEC 25

RANCHI DELY 13 DEC 25 1 30 PM

The Secretary Church Council

Benjamin Ming

Ranchi

B. N. Ry.

Govindpur
11. 12. 25.

Dear Sir,

The following persons of Govindpur Illaka have been selected to represent the Govindpur Illaka in the next general Conference -

1. Revd Ch. Kalyan Bhengra Govindpur Parish
2 " Patras Kandulna Kotbo Parish
3 " Daniel Horo Marcha Parish
4 " Daud Kerketta Churdag Parish
5 Babu. Ch. H. Dayan Horo
6 " Barnabas Hemrom
7 " Nirbandh Horo
8 " Johan Aind
9 " Daud Tiru
10 " Matias Baba
11 " Eliazar Surin
12 " Jusaph Kongari
13 Catechist Asaph Topno
14 " Samuel Topno
15 " Prabhudutt Aind.
16 Babu Johan Topno Kotbo
17 " Johan Guria Saurieli

yours Sincerely
Ch H Dayan Horo
Secretary

Khuntoli
8-12-25

Priye Manjawar Mahashay
Ap ka khat paya. hal malum hua aur turant is ka jabab likh bhejta hun.
Is ke liye ap ko bahut ~~Dhaya~~ Dhanyabad—

Barsik Mahasabha ke liye

1. Rev D.K. Kujur.
2. Rev Ch. Minz
3. Suleman Kuba
4. Aiyub Tirkey.

joma 4 jan Ranchi Barsik Panchait ke liye jate hain so malum karenge. Bhul chuk jo hui ho to kripa kar maph karenge.

Rev D.K. Kujur

INDIA POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE HALF ½ ANNA

RANCHI DEL X 12 DEC 25 A.M

Rev
Binyamin. Minz.
Secratary
Lutheran Church H. E. School
Ranchi

Korvuyo Ilake ee
1925. 15-18 December meñ
Mahasabha ke Pratinidhi

Rev. Obed Tiru
" Nathanael Bage.
" Manmasih Lugun.
Patras Bala.
Anandmasih Bage.

Rev. N. Bage

Burju
10 - 12 - 25

Mahasay - Ap ko Jishusahay -

Burju Ilaka Pratinidhiyon ke nam.

Burju - Samuel Purti - Prachin - Rev Nottrott. Tiru
Lucas Kangari - Khunti

Dariguttu - Masihdas - Baraeud - Rev Christdut Guria
Tapkara - Samuel - Guria - Rev. Suleman Sanga
Dianhel - Samuel - Topono Rev Masihdas Topono
Swonatoli - Johan - Sanga - Rev Mansukh Tuti
Karanjtoli - Finias - Soe
Jokad - Andrias Hemrom } Rev. Mansidh Purti
Tunjur - Samuel Lauga Rev. Dharmadas Tiru

apka - N. Tiru

INDIA

POST CARD

DELY

12 UFB

— A.M

INDIA POSTAGE

HALF ANNA ½ A ANNA

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

To

The

Secretary. C. C.

Lutheran Church

Ranchi.

किनकेल: २५.११.१९२५

मान्यवर महाशय- चार्च कौन्सिल के सेक्रेटरी
को यीशुसहाय.

आगे. आप- का २२.११.२५ का पोष्ट कार्ड पाया, उसके जवाब में यही लिखते हैं कि महा सभा- दिसम्बर के १६.१७. और १८ में होना ही चाहिये, यह हमारे- किनकेल इलाका का राय ही है। और जो प्रतिनिधि- महा सभा- में जायेंगे- उनका भी नाम भेजते हैं।

किनकेल- इलाका- के प्रतिनिधि·

पादरी बाबू मदन लाकड़ा
" " जयमसीह- मिंज
- बाबू- मंगलदास बेक
" मसकी कुजूर
" नबीन- किंडो

आप का विश्वस्त -
Rev. Ch. Ekka
Chairman Kinkel
Ilaka Panah

POST INDIA CARD

INDIA POSTAGE

HALF ½A ANNA

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

Rev.
Benjamin Minj
Secretary to the Church Council
Gossner High School
Ranchi

Kondrai 8-12-25.

Shriyukt Manyawar Mahoday

Apko yisu sahay

Niminlikhit jan Mahoday Sahbai ke Prat nidhigan chune gaye hain.

1. Simon Bek Harcikons.
2. Aludia Kujur Jelikeli.
3. Benzamin Kashiom.

Prem se.

Apka

M. Tobho

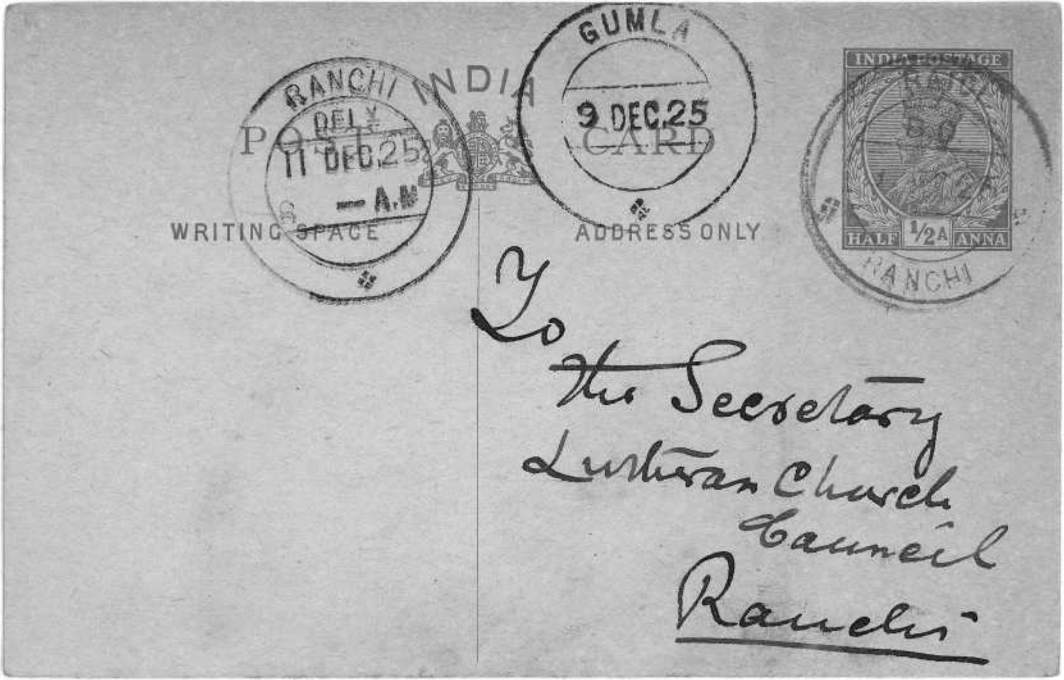
INDIA POSTAGE

HALF 1/2A ANNA

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

RANCHI DEL 11 DEC.25 A.M

GUMLA 9 DEC.25

RANCHI

To
~~the~~ Secretary
Lutheran Church
Council
Ranchi.

अमलेरा.
ता. १२. २५.

महामान्यवर, आपका पत्र मुझे ७वीं दिसम्बर को मिला। ११ को हमलोगों के इलाका मीटिंग सिद्रीकुइंगन में ठहराया है। और कि आज ही ९वीं तारिख को मैं वहां के लिये जाता हूं, इलाका मीटिंग बाद तो ~~लि~~लिखित लोगों के नाम पूछने में देर होगी, इसलिये मैं साधु लक्ष्मी, बाबू प्राचीन पहाड़ी, साधु लक्ष्मण मुंडा बुकानू और इसहाक पूर्ति लोग, और बोधन्यो नेहेमियाह सुरीन + पौलुस मानकी ये लोग आना कोई रोक टोक न होगी तो आयेंगे। हम कुछ वालों उत्तर मालूम हे बापस लौट आवेंगे। इन लोगों का इलाका मीटिंग से मंजूर कराऊंगा ——

प्रेम से आपका विश्वस्त

Rev M Savin

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

Rev Benjamin Minz

Secy to the Lutheran Church Council

Gossner H.E. School

Ranchi.

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER.

Gen Conf

होना चाहिये ।

इसके लिये इन्होंने चिठ्ठीयां जाईं ।

মহাব্রম্য হোগ বাহিরে

1. Rev. U. D. Kujur Lal.
2. Rev. D. Kujur Gumla
3. Rev. D. K. Toppo. Chai.
4. Rev. M. M. Toppo Kondra
5. Ranchi Ilaka.
6. Rev. P. Dinka
7. Rev. M. Toppo. Prasad
8. Govindpur
9. Ramlia.
10. Jharsuguda
11. Khuntitoli
12. Kasinath.
13. Govindpur
14. Bunju.

POST CARD

INDIA
8 - A.M.

PURULIA
NOV 25

INDIA POSTAGE
3P. 3P.
THREE PIES

INDIA POSTAGE
1/4 1/4
QUARTER ANNA

WRITING SPACE

ADDRESS

Rev. Binyamin Frintz.
Secretary C. Council
Ranchi B.N.R.
Lutheran High School
Ranchi

THE ANNEXED CARD IS INTENDED
FOR THE ANSWER.

सेक्रेटरी पत्र कौंसिल

पुरुलिया-२०।१२।२५

प्रिय मान्यवर महाशय--

आप को मेरा योसु सहाय होवे। आप के ता० २१-११-२५ का कार्ड मिला और आप को जनाया जाता है कि दिसम्बर के ता० १६, १७ और १८ में महा सभा के बैठने की जो चर्चा और इच्छा आप पुकारा किये हैं, सो प्रयोजनीय और उत्तम विषय है, इस लिये उपरोक्त महीने के उपरोक्त तारिखों में जरूर ही महासभा बैठे, इस में कोई रकम का रोक टोक न होवे, यही मैं चाहता हूं।

आप का शुभ

BHazrad

Purulia Ilaka Chairman

INDIA

POST CARD

REPLY

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

HALF ½A ANNA

RANCHI
DELY
25 NOV. 25
A.M

Rev. Benjamin Minz
Secretary, Church
Council
Luth. Mission Compd.
Ranchi

Govindpur
26.11.25

Manyawar Rev. Benjamin Minz ko yishusahay!

ap ka P.C. mujhe mila aur malum huwa ki Church council 16, 17 + 18 Dec. ko maha-sabha baithane chahti hai. uske bare yah mera ray hai ki howe. mera aur Govindpur ke aur dusre log bhi chahte hain ki German deputation ke sath maha-sabha ka kam howe.

Shubh

Rev. Ch. K. Bhengra
Chairman
Govindpur Ilaka

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

HALF ½ A ANNA

To

the Secretary

Lutheran Church

Ranchi

श्रीयुक्त मान्यवर चर्च कौन्सील को कोन्टा
मंडली की ओरसे यीशुसहाय /

आप लोगों को मालूम है कि टनों के पास जरमन
पादरी १३ को नोवेम्बर पहुंचे - हम लोगों ने
अपनी ध्यानसार जो कुछ बात विचार हुआ -
जनाया. अधिक करके इच्छा होता कि समूचा
कुमेशन को येनालोश मंडली एक चीतु होकर
काइ अपी करसके — इस वास्ते जितने होसके
हमों ने विचार किया कि उनके रहते दिसम्बर
महिना ही में पर्व के पहिले मुख सभासदों
में बुलाइ जावे और यही काज भी आप
महाशयों से है जिस्से सब मंडलियां अपना
अपनी राय प्रगट कर सके के फाइन्दे
हमों को भलाइ वा उपकार निकले

कोन्टा मंडली के राय से

ममसीह यप्पो
कोन्टा
पो० ओ० रायडीह
ता० १६—११—२५ ई०

मान्यवर महाशय चार्च कौन्सिल के सभासदों को किनकेल इलाका के इलाका पचों का बहुत २ यीशुसहाय ।

महाशय गण :-

सुनने में आता है कि हमारे पुराने धर्म्मोपदेशक जरमनी से लौट कर छोटा नागपूर आये हैं पर वे चार महिना के पीछे फिर जरमनी लौट जायेंगे, इस लिये हम लोगों की राय हुई कि हमारे पुराने धर्म्मोपदेशकों के रहते २ दिसम्बर महिना में महापंचैट होवे, जिस्तें सब कर्म्मचारी और भाइ लोग अपने पुराने धर्म्मोपदेशकों के साथ वार्षिक पंचैट कर सकते, जौभी वार्षिक पंचैट का समय तो नहीं पहुचा है । विशेष करके अपने पुराने धर्म्मोपदेशकों के साथ पंचैटी करने की राय से यह अर्जी दरखास्त सविनय पेश करते हैं ॥.

आप लोगों का विश्वस्त

इलाका पंच

Rev. Ch. Ukaka Chairman
11. 11. 25.

Rev. Jaymasih Minj Secretary.

मंगलदास बेक प्रचारक कोलजोबा

Nabin Kundo Sawai

Irus Laera. Konjoba.

आत नहेमुवार तराटोला

Malaki Kujur

P. Ekka Kochedega

Pshhalleho

Josef Kujur Kinkel
11 — XI . 25.

Bwipi

27-11-25

Mahasay

ap ko mera Yishusahay

Ap ki 21-11-25 ki P.C mili main chahta hun ki German sahibon ke rahte - 16.17-18 Oct ko maha Sabha batalgawe. Yeh bahut hi jaruri hai -

ap ka bishwash.
V. Tina
Bwipi Ilka Chairman

मान्यवार महाशय नवी कौंसिल की गुमला
इलाका की ओर से बहुत२ यीशुसहाय होवे।
हाजुर महाशयों को जनाया जाता है कि
गुमला मंडली के भाईयों की राय हुई कि
हमारे पुराने साहबों के संग महापंचैत
होवे सो आरजी पूर्वक विनय है कि
महापंचैत १९७४ के दिसम्बर के भीतर
आरम्भ होवे जिसमें हमारे पुराने साहबों
के संग आपना दुःख सुख बात कर सकें।

प्रेम से
गुमला इलाके के नाम से
पादरी पाउल कुजूर

J. Kinkel
Ranchi

चैनपुर · २४·११·२५

महामान्यवर चर्च कौंसिल-को-योशुसहाय-

चैनपुर इलाको-को सब भाइयों-की यह सलाह-हुई कि-आनेवाली-महापंचैत की की-बैठकी-यदि-बिलैत से आये हुए मान्यवर पादरी जे-स्तोश और जोन साहिबों के रहते समय दिसम्बर महिने के-बीच में अथवा जन्म पर्व के ठीक पीछे-होने-से-बहुत अच्छी-होती कि पुराने साहिबों-के रहते हम सब कार्यचारी और भाई लोग-उन-के-सामहने बात बिचार के लिये महापंचैत में हाजिर-होते। यही हम दीनाधीन-चैनपुर-मंडली के तरफ-से मान्यवर चर्च कौंसिल से अरजी बिनय-किई जाती है।

चैनपुर मंडली-को ओर से

Rev. D. K. Toppo.

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE ½A ANNA

RANCHI DELY 30 NOV 25 8.30 A.M.

28 NOV. 25

Rev.
Benjamin Minj
Secretary Lutheran Church
Ranchi
B. N. Ry

Rajgangpur
28-11-25

Rev. B. Minj
Secretary Lutheran Church.

प्रिय मान्यवर महाशय,

ईशु का मेरा ख्रीष्ट-
सहाय।
महासभा दिसम्बर २६-२८ तक
बैठे यह बहुत ईश्वरी बात है पर शोक है
क्योंकि रुपये पैसे की घटी के कारण
हम लोगों का जाना-मुश्किल होगा-हम
लोगों के तलब की बड़ी घटी है और ले-
जाड़ा जान जाने कारण पूरा बहुत कठिन
है। आप को सलाह इस बात दया
से कुछ उपाय करे तो हम बड़ा खुशी
ईति धन्यवाद सहित महासभा का लिये
जायेंगे ॥

द० -
N. Tirkey

To

The Secretary,

Lutheran Church Council

Ranchi.

मान्यवर महाशय,

आप को चिट्ठी मिली।
चर्च कौंसिल जो महासभा को दिसम्बर (१६,
१७ + १८ में बैठाना चाहती है इस को
मैं मंजूर करता हूं।

Paulus Tirkey.

Chairman, Ilaka. Chaibasa

25.11.25.

Mqnim Paulus ka Rob3rb Dadwel

Mariyama Kunwari Mariyam Nam ormat kalot
Poverty is no obstacle to success.

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

To.

The Secretary Church-
Council.
G. E. L. Church.

Ranchi

B. N. Ry.

THE ANNEXED CARD IS INTENDED
FOR THE ANSWER.

कारीमट्ठी

२८-११-२५.

महामान्यवर,

चार्च कौंसिल-को ऐसीसुसहाय-

कौंसिल-सेक्रेटरी-को २१-११-२५ के चिट्ठी-के जवाब में-लिखा जाता है कि महासभा-को-बुलाना-और तारिख ठहराना-कौंसिल-ही का-काम है-इसमें किसी को उजुर नहीं होगा-सो-जबकि-आप-लोगों ने-ठहराचुका-तो और-प्रोग्राम-भेजिये-जिस्से-हम-लोगों को-भी जाने में-सुअवसर मिल-सके।

आप-के-विश्वास्त-

Rev. X. Aind

POST CARD

REPLY.

WRITING SPACE

bidai pawenge.
Saparivar ka bhala chahte
hue. Main pen band karta hun.

Prem se
Apka Shub
Revd. M. Soren
Ankora

ADDRESS ONLY

The Secy to the Lutheran Church
Council,
Gossner H.E. School
Ranchi.

Amlessa
28 - 11 - 1925.

The Secy to the Lutheran Church Council Ranchi.

Mahamānyavar,

Maen tour men thā is liye āp ki P.C. pane men 7 din mujhe der hui, jis ke karan phauran ap ko dene hāl nahin saka. Meri ichha to hai ki Mahasabha ko Deputation ko kushal se Bida karen. Maene bahut padriyon aur sadharan bhaiyon ko suna ki shayad ab ki German padriyon ke jane ke pahele hi Mahasabha hogi. Unke saath 2 rahne se Mahasabha ko, agar C.C. bulawe to mere bichar men bahut hi achha hoga, yah bichar se ki we Mahasabha se ~~bud~~ German desh lautne se men

INDIA

POST CARD

RANCHI
DELY
30 NOV 25
8.30 A.M.

INDIA POSTAGE
HALF ANNA

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

The Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi,
Dist: & P.O. Ranchi
B.N.R.
Chota Nagpur.

Jharsuguda
28.11.25.

To

The Secretary, C.C. Ranchi.

Mahamanyawar Maheshay,

Ap ki 21.11.25 ki patri mili. Jharsuguda Ilaka ke Chairman Rev. S. Gnanabaranam ki or ~~se~~ yah likhne ko mujhe kaha gaya ki achhi bat hogi ki December 16.17.18. ko Barshik mahasabha howe. jisten German deputation ke rahte aur 2 baten bichar men nikle aur saphai howe, (yahi upnkt samay men mahasabha howe to kripa kar hamen bhi khabar dijiye)

age shubh

L. Jojowar.

INDIA

POST CARD

REPLY.

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

Rev
Benyamin Minz
Lutheran Church
comp.
Ranchi

खुंटीटोली

प्रिय मान्यवर महाशय ।

आप को मालुम होवे कि C.C. का खत पाया हाल मालुम हुआ मैं इस के लिये आप को धन्यवाद देता हूं ।

खत का जबाब देता हूं कि दिसम्बर महिना में जर्मन पादृयों के साथ बोर्षिक पंचायत केलिये महासभा बुलाई जावे, यह हम लोगों की राय भी है यह बात मालुम होवे ।

Rev. D. K. Minj(?)

Rules of Order.

रूलस आफ आर्डर।

Article I. Speaking.

निर्णय I. बोलना।

1. Every delegate or member shall have the right to speak once on every question, but special permission of the Conference must be obtained to speak more than once.

१। हरएक प्रतिनिधि वा अंग को प्रत्येक विषय में एक बार बोलने का अधिकार होगा, पर एक से अधिक बार बोलने के लिये उसको सभा की विशेष अनुमति लेनी पड़ेगी।

Visitors and honorary guests may be permitted to speak by the Conference.

भिजिटर और अन्य उपस्थित लोग सभा की अनुमति से बोल सकेंगे।

2. Every delegate or member shall obtain the recognition of the Chair before speaking. He shall rise when he speaks and shall address the Chair.

२। हरएक प्रतिनिधि वा अंग जब सभापति बोलने को इशारा देगा तब बोलेगा। वह खड़ा होके बोलेगा और सभापति को कहेगा।

3. Every delegate or member in debate shall refrain from the use of personalaties and shall confine himself strictly to the question before the house.

३। हरएक प्रतिनिधि वा अंग वादानुवाद में व्यक्तियों पर उलझने से परे रहेगा और दृढ़ता से सभा के विषय ही पर आलोचन करेगा।

4. The mover of any proposition shall have the right to close the debate.

४। किसी प्रस्ताव के डालनेवाले को अधिकार होगा कि वह वादानुवाद को अन्त करे।

Article II. Voting.

निर्णय II. भोट देना।

1. Every delegate or member shall have the right to vote on all questions except those relating to himself.

१। हरएक प्रतिनिधि वा अंग को, अपने सम्बन्धी बात को छोड़ के, बाकी सब विषयों में भोट देने का अधिकार होगा।

2. All voting shall be done by hand except where otherwise ordered.

२। सब भोट देना हाथ से होगा, केवल जहां दूसरा नियम है वहां ऐसा नहीं होगा।

3. A majority vote of all delegates and members present shall be sufficient

to decide any question not otherwise provided for.

२। उपस्थित प्रतिनिधियों और अंगों का अधिकांश भोट किसी विषय का निर्णय करने को यथेष्ट होगा यदि उस विषय का निर्णय करने को अन्य नियम नहीं है।

Article III. Motions and Resolutions.

निर्णय III. प्रस्ताव और संकल्प।

1. Every delegate or member shall have the right to make a motion or to offer a resolution on a subject under discussion in the house.

१। हरएक प्रतिनिधि वा अंग को किसी विषय पर जिस का विचार सभा में हो रहा है, प्रस्ताव वा संकल्प डालने का अधिकार होगा।

2. All motions and resolutions, if passed, shall be presented to the Secretary in writing.

२। सब प्रस्ताव और संकल्प, जब वे मंजूर हो गये हैं, तब लेख में सेक्रेटरी को दिये जायेंगे।

3. No motion or resolution can be made except by a member or delegate who has been recognised by the Chair.

३। कोई प्रस्ताव वा संकल्प नहीं डाला जा सकता है जब तक कि डालनेवाले को सभापति से इशारा नहीं मिलो है

4. Every motion or resolution before being voted on must be seconded and must be read or stated by the Chairman.

४। भोट दिये जाने के पहिले, हरएक प्रस्ताव वा संकल्प जरूर समर्थन किया जावे और सभापति से जरूर पढ़ा वा बताया जावे।

Article IV. Rules of Order.

निर्णय IV. रूल्स आफ आर्डर।

All matters of parliamentary practice not settled by these Rules of Order shall be determined by the house itself.

सभापति की सब बातें जो इन रूल्स आफ आर्डर से निर्णित नहीं हैं सो सभाही से निर्णय किई जायेंगी।

Article V. Amendments.

निर्णय V. सुधार।

All amendments to the above Rules of Order shall require for confirmation a two-thirds vote of the delegates and members present. Amendments to these Rules of Order may be made at any session without previous notice.

उपरोक्त रूल्स आफ आर्डर के सब सुधार उपस्थित प्रतिनिधियों और अंगों के दो तिहाई भोट से किये जायेंगे। रूल्स आफ आर्डर के सुधार, बिना अगोतर नोटिश के, किसी भी बैठकी में किये जा सकते हैं।

Members.

The Rev. J. Z. Hodge, Chairman.
The Rev. E. H. Whitley.
D. M. Panna, Esq.
The Rev. O. V. Werner.
The Rev. I. Cannaday, Secretary.

The Advisory Board
of
The Gossner Evangelical Lutheran Church
of Chota Nagpur and Assam

Ranchi 30-6-25.

Rev. B. Minz,
Secy, Church Council,
Ranchi.

Dear Mr Minz,

Enclosed please find an official signed copy of the proceedings of the joint meeting with the Baptists in Sam-balpur last March. Will you kindly acknowledge receipt of this and return to me the other copy sent you last week.

Yours sincerely,

I. Cannaday

Rev. I. Cannaday, Secretary, Advisory Board.

Dear Sir,

Only to-day I have discovered the official copy of the proceedings of the joint meeting with the Baptists in Sambalpur which I had received from you in your house on the 30th June. I had misplaced it in the Seminary Faculty Minute Book.

Thanks for the official copy. Now I shall return the other copy of the same which you had given me in advance.

Yours sincerely,

Ranchi,

B. Minz

7-7-1925.

Secretary, Church Council.

Minutes

Committee on Territorial Demarcations

between the

Baptist Church and Mission in Sambalpur and the Orissa States

and the

Gossner Evangelical Lutheran Church of Chotanagpur and Assam

Sambalpur, 31st March, 1925

The Committee met at Sambalpur on the 31st March, 1925. Two sessions were held, at 9:30 A.M. and at 1:00 P.M., both in the home of the Rev. P. Horsburgh.

Members present:- Baptist: Rev. H. Anderson, Calcutta; Rev. F.W. Jarry, Balangir; Rev. J. Johnson, Sambalpur; Rev. P. Horsburgh, Sambalpur; Mr. P.K. Das, Sambalpur (for the morning session only). - Lutheran: Rev. I. Cannaday, Ranchi; Rev. Luther Jojowar, Jharsuguda; Rev. J. Topono, Takarma; Rev. Marcus Topono, Jarakudar; Rev. O.V. Werner, Ranchi (co-opted).

Upon nomination by Mr. Cannaday, Mr. Anderson was elected as Chairman of the Committee; and the chair appointed Mr. Werner as Secretary.

The morning session was opened with prayer by Mr. Cannaday; Mr. J. Topono led in the opening prayer of the afternoon session.

Comprehensive statements made in turn by members of each division of the Committee described the past development

of the work of the two Christian bodies in the area where overlapping is taking place; and, with respect to future constructive work, outlined plans and anticipations. After full and free discussion of the whole situation, the Committee unanimously adopted for recommendation to the Baptist Church and Mission and to the Lutheran Church the following resolutions:-

It is agreed,

1. That by reason of the conditions in Bihar and Orissa of the Lutheran Church, - past, present, and anticipated, - there shall be no delimitation of territory between itself and the Baptist Church and Mission in Sambalpur and the Orissa States; thus conserving to Lutheran and Baptist Christians the right to the ministration of their own Communion and the right to engage in evangelistic work on a voluntary basis wherever they may go.

2. That as the Baptist Church and Mission have established themselves in Sambalpur and several of the Orissa States and regard Sambalpur, Rairakhol, Atmallik, and Bamra as part of their present field for evangelistic effort, they shall have a free hand to evangelise in these areas.

Note. In the discussion of Resolution 2 it was understood that in the northern section of the Bamra State, where there is already a considerable number of Lutheran Christians, evangelistic activities shall not be carried on by the Baptist Mission.

3. That, as it is the object of both the Lutheran Church

and the Baptist Church to make Christ known to all the people and to gather disciples for Him, Lutheran and Baptist Church members should seek opportunities of joining in common worship, especially in isolated places where their numbers are few, and of co-operating in any way that will further Christ's cause, while not compromising their own principles. To this end, Church members from one area visiting another area temporarily, should be granted spiritual hospitality. There should be no proselytising. Churches should mutually respect each other's discipline, and they should co-operate in educational or other institutional work wherever possible.

The meeting was adjourned with prayer by Mr. Anderson.

O. Werner
Secretary.

Herbert Anderson.
Chairman.

Memo. No. 1786.

Forwarded to the Rev. I. Cannaday, Secretary to the Advisory Board, G. E. L. Church.

Ranchi,
June 29, 1925.

O. Werner.

Minutes

Joint-Committee on Boundaries between

The Evangelical Synod of North-America and

The Gossner Evangelical Lutheran Church
of Chotà Nagpur and Assam

Jharsagura, Sambalpur District

The 6th November, 1925

Members present.

E.S.N.A.

Rev. J. Gass, D.D., Raipur, C.P.
Rev. F.A. Goetsch, Bisrampur, C.P.
Rev. J.C. Koenig, Sakti, C.P., co-opted.

G.E.L.C.

Rev. I. Cannaday, Ranchi, B. & O.
Rev. John Topono, Takarma, P.O. Basia, Ranchi District.
Rev. O.V. Werner, Ranchi, B. & O., co-opted.

Visitors.

Rev. J. Stosch and Rev. A.W. John, of the Gossner Missionary Society, Berlin, Germany; Rev. Gnanabaranam and Dr. Nallathambi, of the National Missionary Society, Jharsagura; Rev. Luther Jojowar, Jharsagura; Rev. Lucas Topono, Takarma, P.O. Basia, Ranchi District.

Upon motion by Mr. Cannaday, Dr. Gass was elected as Chairman of the Joint-Committee; and Mr. Werner as English Secretary. Mr. Luther Jojowar kindly consented to record the proceedings in Hindi.

Mr. Goetsch offered the opening prayer.

Statements by Mr. Cannaday and Mr. Goetsch made it clear that in determining the common boundaries of the E.S.N.A. and the G.E.L.C. the Joint-Committee would have to consider chiefly the three Feudatory States of Raigarh, Udaipur, and Surguja. The E. S. N. A. is now actually working in Raigarh and Udaipur ; and its hopes of future occupation are directed toward the large and populous state of Surguja. On the Lutheran side, the National Missionary Society is in charge of the Jharsagura

station and district of the G. E. L. C. In connection with its long-conceived object of evangelizing the state Rewah, the National Missionary Society wishes to possess an approach from Jharsagura to Rewah over a continuous stretch of territory recognized as a part of its field.

In the course of preliminary discussions, the Joint-Committee received the information that an agreement between the E. S. N. A. and the G. E. L. C. would, because of already existing conventions, be respected by other missions of the Central Provinces, excepting, perhaps, two bodies, with whom separate agreements should be sought. It was stated, also, that the Gossner Church is not at present engaging to any great extent in active evangelistic work; but that there is good reason to expect that in the not distant future, especially in the case of the return of a number of German missionaries, the Church will devote more workers and more means to this purpose. The Joint-Committee agreed, too, that the question of continuous N. M. S. territory from Jharsagura to Rewah shall be decided between the G. E. L. C. and the N. M. S. ; and that the delimitation of the fields of the E. S. N. A. and the G. E. L. C. in the region concerned shall, in view of the close associations which have always existed between these two bodies, be determined not on racial or linguistic lines but according to geographical boundaries.

After further discussions it was Voted that Raigarh and Udaipur shall with respect to missionary work be the exclusive territory of the Evangelical Synod of North America; and that, similarly, Surguja shall be left to the Gossner Evangelical Lutheran Church of Chotanagpur and Assam, on the understanding that, if this state is not effectively occupied by the Gossner Church

within five years from the date of the due ratification of this present agreement, the question of the entry of the Evangelical Synod into Surguja shall be open for reconsideration.

The meeting was adjourned with a closing prayer by Rev. John Topono.

Secretary. Chairman.

The National Missionary Society in Jharsuguda.
ooooooooooooooooooooooooooooooooooooooooooooooooooooooo

(1) From the last summer the Council has repeatedly considered what the future of Jharsuguda will be. The Council has some correspondance with the National Missionary Society on this matter (vide C. C. minutes of March 1925, No. 1(10)) According to that arrangement Jharsuguda was left in the hands of the National Missionary Society for another three years. This time in the presence of the Deputation it was again taken up. General Secretary Rai Bahadur A. C. Mukerji and Rev. Gananabarnam from the National Missionary Society were present. ~~Thk~~ The President cordially welcomed them into the meetings of the Church Council and after briefly opening the discussion on the future of Jharsuguda called on the N.M.S. representatives to make their statement. The N.M.S. General Secretary made a brief survey of the whole work of the N.M.S. which might be summarised in this one sentence that the N.M.S. ~~xxxxxxx xxxxxx~~ at its beginning had one missionary and one station but now it has ~~x~~ eighty two missionaries and thirty stations and Jharsuguda is one of these stations. Several questions and answers also were made between the N.M.S. ~~x~~representatives and the Church Council. The General Secy., made this important pronouncement to us that the N.M.S. is a missionary Society but wit without a congregation or ~~xxx~~ denomination of its own, that is, it does not establish a new denomination but on the other hand it always works in connexion with other societies- for Baptists in the Baptist neighbourhood; for Anglicans in the Anglican neighbourhood; for Lutherans in the Lutheran neighbourhood, etc., and the moment a mission or Church in conjunction with which the N.M.S. is running a missionary work, is able to take up that work the N.M.S. makes over that work to that nearest mission or church in the best brotherly mood and in all eagerness of a missionary spirit moves on to open other new mission works, e.g., Jharsuguda is certainly an integral part of the Gossner Church and the N.M.S. is running it and will do so for the G Gossner Church and when the latter becomes able again to take up Jharsuguda into its own hands then the N.M.S. will at once make it over to the Gossner Church and will proceed to open up new mission fields for itself. On this b basis the N.M.S. is working in Jharsuguda. The ~~xxxxxxx~~ General Secy. remarked that no limit of time has been recorded with reference to making over Jharsuguda to the N.M.S. Rev. I. Cannaday pointed out that the Advisory Board did rectify this mistake and agreed that the field be temporarily give to N.M.S. for a period of three years. Mr. Mukerji further continued that the N.M.S. has hitherto employed only two missionaries but that it desires i in future to work there more vigorously, to send there more missionaries and

to spend more money there in order that the work be more fruitful because a great opportunity is awaiting us there. Therefore, if Jharsuguda be given for a few years, the N.M.S. cannot launch out into a vigorous work. So, if it be possible, the field of Jharsuguda be given to us for an indefinite p period, knowing that as soon as this Church will be able to take it back again we will give it back with the new property that we may have brought in, and the mission extension that we may have done then. If, as we desire, the N.M.S. be able to carry mission work from Jharsuguda to Rewa all that w work shall be part and extension of the Gossner Church.

After a very long discussuon, bearing in mind the fact that for several years to come the Gossner Church will be unable to take up the Jharsuguda field into its hands, the G.E.L. Church Council resolved:-

(1) That in so far as Church organisation, discipline, worship,

syllabus of religious teaching, and all other kindred matters are concerned, the Jharsuguda field shall be considered an integral part of the Gossner Evangelical Church, the field being considered as a separate ilaqa within the consti tution of the Gossner Evangelical Lutheran Church.

(2) That in regard to missionary organisation, including the management of institutions such as hospitals, dispensaries, schools, etc., the field be under the administratio n and control of the Lutheran N. M. S.

(By Jharsuguda field mentioned above the following territories are meant- subject to the agreement entered into between the English Baptist Mission and this Church all the territory in the British district of Sambalpur and the western part of Gangpur, Southern part of Jashpur, and Rairakhol Feudatory States.)

(3) That there shall be an " Ilaqa Panch" and a Field Committee in ~~Xxxx~~ Jharsuguda. Also there shall be " Padripan Panches " and " Pracharakpan Panches ". That President John Topono will go there and will see that these " Panches" are formed according to the constitution. That the Ilaqa Panch and the Field Committee mutually will define their powers and spheres of work.

(4) That the Field Committee shall be composed of five members: three from the N.M.S. and two from the Eg Church Council.

(5) That copies of the minutes, reports, and census figures of the Jharsuguda Field will be sent to the Church Council.

(6) That if no one from the Jharsuguda Field has been elected on the Church Council then an official visitor from there will be taken in the Church Council.

(7) That the Church Council offers most hearty thanks to the N.M.S. for its excellent work in Jharsuguda and wishes to inform it that the Council is extremely pleased with its work.

Copy forwarded to the
Genl. Secy., N. M. S.
Bonn

Secy., G. E. L. Church.
27. 12. 25
Calcutta

AMENDMENT TO CONSTITUTION.

ART XV. Foreign Missionaries

SEC. 1 All the ~~provisions~~ [resolutions contained] in the ~~proposals~~ [resolutions] concerning the working of German missionaries in the Autonomous Church, as adopted at the (special meeting of the) General Conference on December 17th, 1925, shall be in force notwithstanding anything to the contrary in this Constitution and these Bye-Laws.

नियमावली दुसरा।

नियम १५, विदेशी मिशनरी।

Sec. 1. इस नियमावली और इन उप-नियमों
के विपरीत होने पर भी सब बन्दोबस्त जो
~~प्रस्ताव~~ जर्मन मिशनरियों के काम चलाने के बारे में
कानफरेन्स के प्रस्तावों में हैं जो दिसम्बर १७, १९२५
को महासभा में मंजूर किये गये हैं सो जारी
रहेंगे।

REPORT OF THE SPECIAL COMMITTEE ON CHURCH AUDITOR.

(Prepared by the Convener)

1. Greetings to the Mahasabah and thanks for the honour conferred on the Committee!
2. Your Committee held several meetings in April last and two or three meetings later in the year, all of the members being present only two or three times.
3. At the last meeting in April it was decided that the salary and allowances of the Church Auditor should be as follows:-
   (1) An initial salary of Rs. 75/- per month, from April 15th.
   (2) House rent not to exceed Rs. 40/- per month. Later this was defined by the Committee to mean "actual rent only".
   (3) A fixed TA of Rs. 30/- per month, from April 15th.
   (4) A sum of Rs. 150/- to be given outright.
   (5) One year's TA to be given in advance and refunded by instalments.
   (6) Contingent expenses.
   (7) Actual travelling expenses by Inter-class by rail or motor bus where expedient.
   (8) A bonus of Rs. 60/- as voted by the Mahasabha.

   At that meeting it was also decided that the Auditor should have his headquarters at Ranchi and rules for the regulation of his work were agreed on. All tours were subject to sanction by the CC.
4. The proceedings of the Special Committee in its April meetings were duly communicated to the Church Council and the Council was asked to give them effect.
5. Meanwhile the AB Secretary, as he was leaving on his vacation and in anticipation of some action by the Church Council and the Advisory Board at their meetings in June, temporarily and unofficially advanced to the CC Treasurer the sum of Rs. 539-8 to cover what he considered would be the cost of the Auditor for about three months.
6. The above amount was paid by the CC Treasurer to the Auditor in the months of April, May, June and July.
7. At the June meeting of the Advisory Board, so it was reported, the Church Council having failed to secure the money needed for the Auditor from the Ilakas or elsewhere asked the Board to grant the full amount needed, but the Board because of the big debt that it was then facing expressed its regret at not being able to give anything for this purpose in addition to what its Secy in anticipation of sanction had already paid out.
8. The Council then decided, so it was reported, to send a notice to the Auditor that his services could no longer be paid for, this notice to be effective from July 23rd, 1925.
9. The Special Committee, seeing the situation, ~~in which the matter had gotten,~~ held a meeting XXXXXXXXXXXXXXXXXXXX on August 11th and began to revise the salary and allowances of the Auditor with a view towards inducing the CC to pay these smaller amounts. However, the Committee never met again to finish this work.
10. At the meeting of the AB on Nov. 19th, so it was reported, the CC again asked the Board to grant the necessary money for the Auditor, but the Board, in view of heavy obligations, decided to give the Council only Rs. 805/- for this purpose which amount was to be paid in six monthly instalments, ending with March 1926.
11. The Special Committee then met on Dec. 7th and decided to allot one-third of the above amount, namely Rs. 268-5-4 plus Rs. 30/- extra for Dec. house rent XXXXXXXX as the first payment to the Auditor, the understanding being that the Auditor's house rent should be paid in full till Dec. 31st. The Committee then asked the Council to instruct its Treasurer to pay this amount to the Auditor on the conditions agreed upon in the Committee's meeting. The understanding is that the money has already been paid.
12. The Special Committee having discharged its duties now requests the Mahasabha to dissolve it.

J Kennedy[?]

Convener.

Ranchi,
15-12-25.

CHURCH AUDITOR KE BARE MEN SPECIAL COMMITTEE KA REPORT.

(Convener setaiyar kiya gaya)

----

1. Mahasabha ko yishusahay aur bahut dhanyabad howe.

2. Ap ki Committee ne gaye April mahine men kai ek baithki kii aur us ke bad is sal men do tin baithki hui, jin men sab panch log kewal do ya tin ber hajir the.

3. Ab April mahine men ki pichhli baithki men niptara hua ki Church Auditor ko nimit liknit talap o bhatta diya jawe:-

(1) 15 win April se mahwari Rs.75 talap.

(2) Ghar bhara mahinwari Rs.40 se besi nahin. Pichhe ukt Committ se niptare hua ki ghar ka thik bhara diya jawe.

(3) 15 win April se mahwari Rs.30 saphar kharch barabar diya jawe.

(4) Ek daphe ek must Rs. 150 diya jawe.

(5) Ek baras ka saphar kharch ek must agam diya jawe, jis ko kram 2 se kat 2 kar pherat liya jawe.

(6) Mutpharkat(contingencies)kharch diya jawe.

(7) Rail jatra men madhyam shreni(Inter class) ka bhara aur jaruri jane ka jagah men motor luri ka bhara diya jawe.

(8) Bamaujib mahasabha ke nagad Rs. 60 diya jawe.

April mahine ke pichhli baithki men phaisla hua ki us ka sadar mukam Ranchi men hona chahiye aur us ke kam ke bishayak niyam thahraye gaye ki sab saphar Church Council ke hi adhin men hona chahiye.

4. April mahine ke Special Committee se kiya hua sab kam aur mantabya Church Council ko bataya gaya aur us se arji kii ki wah mantabya ke anusar sab niyam jari kare.

5. Is darmiyan men Advisory Board Secretary apni chhuti men jane wala ho karke June mahina wali Church Council ki aur Advisory Board ki baithkiyon ka sidhant ki asha men Church Council lhajanchi ke hath men asthai rup aur apne hi or se Rs.539-8-0 diya, jisten khajanchi mahashay ne Auditor ka 3 mahina ka kharch bat bichar karke karen.

6. Uprokt rupaiya Auditor ko April, May, June aur July mahinon men Church Council khajanchi dwara diya gaya.

7. Advisory Baord June mahine ki baithki men yah janaya gaya ki karan Church Council Ilaka ya dusre kahin se awashyak rupaiya nahin pa saka, is liye Board ko pura rupaiya dene ke liye anurodh kiya, parantu Board ne apsoch se bataya ki atyant bari rin rahne ke karan us ke Secretary ne jo rupaiya de chuka hai us se adhik rupaiya de nahin sakti.

8. Tab bataya gaya ki Council ne thahraya ki Auditor ko ek notice bheja jawe ki us ki sewa ke waste aur kuchh talap nahin diya ja s ga. Wah notice July 23 tarikh se jari kiya jane chahiye.

9. Special Committee ne awasthy dekh kar 11 win August men ek bait ki kii aur Auditor ka talap aur bhatta dohrane shuru kiya yah sam kar ki Church Council chhoti kharch ko dene ko raji howe, taubhi is karj ko khatam karne ke liye Committee phir nahin baithi.

10. Advisory Board ka 19 win wali meeting men aisa janaya gaya ki Church Council Board ko Auditor ke liye awashyak kharcha dene ka arji kxxkiya phir kiya, parantu Board uska dusra bhari kharch ke karan kewal Rs. 805 is karj ke liye manjur kiya, jo rupaiya 6 mahin-wari dar se 1926 ke March ke ant tak diya jawe.

11. Special Committee 7 win December ko baithki karke niptara kiya ki manjuri rupaiya ka tisra hissa yane Rs.268-5-4 aur December mahin ke ghar bhare ke waste Rs. 30 pahili daphe Auditor ko diya jawe, yah samajh kar ki Auditor ka ghar bhara 1925 December 31 tak bebak kiya jawe aur usi baithki men Council se arji kii gai ki uska khajanchi ki yah rupaiya Auditor ko dewe. Ab yah samjha jata hai ki yah rupaiya de diya gaya hai.

12. Special Committee ne is bishay men sab kam sampuran kar diy liye mahasabha ko arji karta hai ki usko chhutti dii jay.

Ranchi,
15-12-25.

Convener,

जी० ई० एल० कलीशा की महासभा का कामपत्र, १५—१८ दिसम्बर, १९२५।

ताः १५ मंगलवार— बिहान ८–११ बजे चर्च कौंसिल की बैठकी।
दूसरी बेला २–४ बजे मिनिस्टीरियम की बैठकी।
„ „ ४–५ बजे चर्च कौंसिल और मिनिस्टीरियम की बैठकी।
सांझ ६½ बजे प्रार्थना समाज :— चलानेहारा पाः ख्रिस्तोगृह तिर्की।

प्रार्थना के विषय—

१ जगत की समस्त खृष्टीय कलीशा के लिये ... पा. निकोदीम लकड़ा।
२ हिन्दुस्तानके सब राज्याधिकारियों और प्रजाओं के लिये पा. दाऊद कुजुर।
३ हमारी कलीशा और उसके सहायकों के लिये ... पा. पतरस कंडुलना।
४ महासभा के लिये ... ... पा. नात्तरीत्त तिड्डु।

ताः १६ बुधवार — ताः १८ शुक्रवार महासभा की बैठकी।

बिहान ९½–११ बजे और दूसरी बेला २—५ बजे प्रतिदिन।
बिहान ७½–८ बजे संक्षेप उपदेश और प्रार्थना प्रतिदिन।

१ प्रतिनिधियों की हाजरी।
२ स्वागत।
३ रूल्स आफ आर्डर (Rules of Order.)
४ डेपुटेशन की ओरसे भाषण।
५ बोर्ड की ओरसे भाषण।
६ गत महासभा का मन्तव्य।
७ रिपोर्ट— प्रेसिडेन्ट का।
सेक्रेटरी का।
खजांची का।
मिनिस्टीरियम का।
८ जर्मन मिशनरियोंके फिर आनेके लिये बोर्ड और कौंसिलके प्रस्ताव।
९ गंगा मिशन।
१० अमेरिकन मिशनरियों का आगे यहां रहना।
११ झरसुगड़ा इलाकाको नेशनल मिशनरी सोसाईटी को देना।
१२ नियमावली का सुधार।
१३ सीमा विचार—सम्बलपुर का। रैगढ़ इत्यादि का।
१४ दो कौंसिल मेम्बरों की चुनाव।
१५ स्वपालन—इलाकाओं से रिपोर्ट।
१६ चर्च आडिटर और स्पेशल कमिटी।
१७ धन्यवाद।

बुधवार साम ६½ बजे उपदेश— पाद्री अ० जोन।
वृहस्पतिवार साम ६½ बजे उपदेश— पाद्री जे० स्नोश।

बिन्यामीन मिंज
सेक्रेटरी चर्च कौंसिल।